INS ACCREDITED

यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग

unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28



Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update

uniquesamay.com



वर्ष-4 | अंक-149 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 25 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay


## 470 करोड़ की परियोजनाओं से आसान होंगे श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन

### एलिवेटेड रोड से पांच मिनट में पहुंचेंगे जन्मभूमि

### बस पार्किंग और नए संपर्क मार्ग से घटेगा जाम

**यूनिक समय, मथुरा।** भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली पर लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या को देखते हुए मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 470 करोड़ रुपये की अवस्थापना विकास परियोजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया है। मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत इस योजना में श्रीकृष्ण जन्मस्थान तक सुगम पहुंच, जाम से राहत और आधुनिक जनसुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। प्रस्ताव में एलिवेटेड रोड, बस पार्किंग, संपर्क मार्गों का विस्तार और प्रमुख चौराहों के आधुनिकीकरण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

योजना के तहत मछली फाटक से श्रीकृष्ण जन्मस्थान के गेट संख्या–3 तक लगभग 3.5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। वर्तमान में यमुना एक्सप्रेस–वे, राष्ट्रीय राजमार्ग–19, राष्ट्रीय राजमार्ग–530बी, टाउनशिप और धौली प्याऊ की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं को टैंक चौराहा, एसबीआई तिराहा, नया बस अड्डा और भूतेश्वर तिराहे से होकर गुजरना पड़ता है। इन मार्गों पर व्यावसायिक गतिविधियां अधिक होने और रेलवे अंडरपास के कारण सड़क चौड़ीकरण संभव नहीं है। ऐसे में एलिवेटेड रोड को सबसे प्रभावी समाधान माना गया है। करीब 350 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के पूरा होने पर 30 से 40 मिनट का सफर घटकर मात्र पांच से सात मिनट रह जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

जन्मस्थान क्षेत्र में बसों के सुचारु संचालन के लिए मसानी कट स्थित कल्याण करोति अस्पताल से रामलीला मैदान होते हुए महाविद्या कॉलोनी तक लगभग 1050 मीटर लंबे लिंक मार्ग का निर्माण किया जाएगा। करीब चार एकड़ भूमि पर बसों के लिए ओपन पार्किंग विकसित होगी, जहां तक पहुंचने के लिए 12.50 मीटर चौड़ा दो–लेन मार्ग बनाया जाएगा। इसके साथ ही 30 फीट चौड़ा संपर्क मार्ग, दो–दो कैरिज–वे तथा दोनों ओर फुटपाथ भी विकसित किए जाएंगे। इस परियोजना पर लगभग 70 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा शहर के 17 प्रमुख तिराहों और चौराहों के जंक्शन सुधार पर 50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। टाउनशिप तिराहा, गोकुल तिराहा, भूतेश्वर चौराहा, मंडी चौराहा, गोवर्धन चौराहा, गांधी पार्क तिराहा, प्रेम मंदिर जंक्शन और नया बस अड्डा सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर लेन सेपरेटर, डिवाइडर, साइनेज, रोड मार्किंग, फुटपाथ, वेंडिंग जोन और पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से श्रीकृष्ण जन्मस्थान तक पहुंच अधिक सुगम होगी और शहर की यातायात व्यवस्था भी पहले से बेहतर हो सकेगी।

### पर्यटन और स्थानीय विकास को मिलेगा दीर्घकालिक लाभ

मथुरा- वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत श्रीकृष्ण जन्मभूमि को दृष्टिगत रखते हुए यह परियोजनाएं भविष्य की आवश्यकताओं के मद्देनजर तैयार की गई हैं। इनका उद्देश्य केवल यातायात सुधारना नहीं, बल्कि मथुरा–वृंदावन में श्रद्धालुओं की आवाजाही को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से धार्मिक पर्यटन और स्थानीय विकास दोनों को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। इन सभी परियोजनाओं एक स्वीकृति मिल चुकी है। इनका प्रजेंटेशन मुख्यमंत्री के समक्ष किया गया है।

## गिरिराज परिक्रमा और गुरु वंदन को उमड़ने लगी आस्था

### मुड़िया मेले में बढ़ी श्रद्धालुओं की भीड़ गूंज रहा राधे–राधे

### भंडारों, जलसेवा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने संभाला मोर्चा

**यूनिक समय, मथुरा।** गोवर्धन के मुड़िया मेले में अब श्रद्धालुओं की आमद बढ़ने लगी है। गिरिराज महाराज की सप्तकोसीय परिक्रमा करने और गुरु पूर्णिमा पर गुरु वंदन का पुण्य प्राप्त करने की इच्छा लेकर विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु ब्रजधाम पहुंच रहे हैं। बढ़ती भीड़ के कारण परिक्रमा मार्ग पर धीरे–धीरे मानव श्रृंखला बनने लगी है और चारों ओर राधे–राधे के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबने लगा है।

गोवर्धन आने वाले अधिकांश श्रद्धालु एक साथ कई धार्मिक संकल्प पूरे करने की भावना से पहुंचे हैं। गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने के साथ–साथ वे तीन से चार दिन तक ब्रज के प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे और गुरु पूर्णिमा पर अपने गुरुजनों का पूजन और आशीर्वाद भी प्राप्त करेंगे। इस कारण गोवर्धन, वृंदावन, मथुरा के अलावा नंदगांव, बरसाना, गोकुल, महावन और बल्देव के तीर्थ क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

गोवर्धन परिक्रमा के दौरान हाथ उठाकर राधे–राधे बोलते श्रद्धालु।

परिक्रमा मार्ग पर भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है। श्रद्धालु भक्ति गीत गाते हुए और राधे–राधे का संकीर्तन करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। जगह–जगह लगे भंडारों में प्रसाद का वितरण किया जा रहा है, जबकि समाजसेवी संस्थाएं और स्वयंसेवक शीतल जल, छाछ, शरबत और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराकर श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हुए हैं। अब तो श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ पार्किंग स्थलों पर भी वाहनों की कतारें दिखाई देने लगी हैं। प्रशासन ने यातायात, सुरक्षा, सफाई, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े। आस्था, सेवा और सुव्यवस्थित प्रबंधन के बीच गोवर्धन का मुड़िया मेला अपने पूरे धार्मिक वैभव के साथ श्रद्धालुओं का स्वागत कर रहा है।

## सरकारी वाहन से भिड़ी बाइक युवक–युवती गंभीर घायल

**यूनिक समय, मथुरा।** अड़ींग बाईपास मोड़ पर शनिवार को तेज रफ्तार बाइक और परिवहन विभाग की सरकारी गाड़ी की टक्कर में बाइक सवार युवक और युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय बाइक युवती चला रही थी, जबकि युवक पीछे बैठा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोवर्धन की ओर जाते समय मोड़ पर बाइक का संतुलन बिगड़ गया और सामने से आ रही यातायात निरीक्षक की सरकारी गाड़ी से टकरा गई। घटना के बाद दोनों घायल सड़क पर पड़े तड़प रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे अपर जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) ने अपनी गाड़ी रुकवाकर स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना पर पहुंची अड़ींग पुलिस चौकी की टीम ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और सरकारी वाहन को कब्जे में लेकर सड़क से हटवाया, जिससे यातायात सुचारु हो सका। पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचना दे दी है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

### अधिकारी और कर्मचारी इंतजार करते हैं कि कब मिलेगा मौका

## ठाकुरजी की सेवा समझ निभा रहे ब्रज में ड्यूटी

### भाग्यशाली को ही मिलता है ठाकुर जी की सेवा करने का मौका

**यूनिक समय, मथुरा।** विशेष पर्व पर ड्यूटी देने के लिए ब्रज में आने वाले अधिकारी और पुलिसकर्मियों की मानें तो वह बड़े भाग्यशाली हैं कि ठाकुरजी ने उनको अपनी सेवा के लिए, किसी न किसी बहाने से बुलाया है। वह तो यह इंतजार करते रहते हैं कि मथुरा, गोवर्धन, वृंदावन, बरसाना, बल्देव कब जाएंगे। परिवार के सदस्य भी कभी–कभी जिद करते हैं कि चलो एक बार ब्रज की यात्रा तो कर आएं।

गौरतलब है कि मथुरा में नई नियुक्ति पर आने वाले हर उच्च अधिकारी वृंदावन के ठाकुर बांकेबिहारी के चरणों में पहली हाजिरी

लगाते हैं। उसके बाद अपना कार्यभार संभालते हैं। अधिकारी ही क्या, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत मंत्रिमंडल के सहयोगी और केंद्र सरकार के साथ कई और राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री भी ठाकुर बांकेबिहारी के दरबार में हाजिरी लगाने आते हैं।

अधिकारियों के ब्रज में आने के बाद दिनचर्या को देखने के बाद वर्षों से यहां आने का सपना देखने वाले पुलिसकर्मी भी जब ड्यूटी पर आते हैं तो उनकी खुशी अलग ही दिखाई देती है। वह ड्यूटी से अलग वृंदावन और गोवर्धन की परिक्रमा करते नजर आते हैं। वैसे भी उनको समय मिलता ही कहां हैं। श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों की मानें तो वह बड़े भाग्यशाली हैं कि योगिराज श्रीकृष्ण ने उनको सेवा के लिए किसी न किसी बहाने से बुलाया है।

वृंदावन के ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों का कहना है कि भगवान की सेवा करने का मौका हर किसी को नहीं मिलता है। यह सौभाग्य तो हमें न जाने कैसे मिला है। अब हमने तो चमत्कार देख लिया है और सब कुछ ठाकुरजी पर छोड़ दिया है। गोवर्धन में मुडिया पूर्णिमा मेला के दौरान ड्यूटी देने आए कई पुलिसकर्मियों ने बताया कि यहां आएं है तो ठाकुरजी की सेवा करने का मौका मिलेगा। यह तो ठाकुरजी की कृपा मानिए कि उनकी यहां ड्यूटी लग गई।

# देवशयनी एकादशी पर वृंदावन में भक्तों की लगी कतार

देवशयनी एकादशी पर वृंदावन धाम की परिक्रमा करते श्रद्धालु।

परिक्रमा मार्ग में संकीर्तन करते भक्त।

## परिक्रमा के दौरान फूल बंगलों के दर्शन कर श्रद्धालु हो गए निहाल

**यूनिक समय, वृंदावन।** शनिवार को देवशयनी एकादशी पर मंदिरों की नगरी में अगाध भक्ति और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने बांके बिहारी और अन्य प्रमुख मंदिरों में फूल बंगले के दर्शन किए और चातुर्मास के मंगलमय आरंभ पर हरिनाम संकीर्तन में भाग लिया। परिक्रमा मार्ग में तो श्रद्धा और भाव के साथ राधे- राधे की गूंज सुनाई दी।

देवशयनी एकादशी पर धर्मनगरी में श्रद्धालुओं ने आस्था और श्रद्धा के साथ परिक्रमा लगाई। भोर से ही श्रद्धालुओं का परिक्रमा मार्ग पर पहुंचना शुरू हो गया।

श्रद्धालु भगवान श्रीहरि विष्णु का स्मरण करते हुए भजन–कीर्तन के साथ परिक्रमा करते नजर आए। समूचे परिक्रमा मार्ग में राधे–राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष गूंजते रहे।

परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं ने जगह–जगह पेयजल, शरबत, फल और चिकित्सा शिविर लगाए। कई स्थानों पर भजन मंडलियों ने संकीर्तन प्रस्तुत कर भक्तिमय वातावरण बना दिया। श्रद्धालुओं ने रास्ते में स्थित प्रमुख मंदिरों में दर्शन कर परिवार की सुख–समृद्धि और मंगल की कामना की।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए।

परिक्रमा मार्ग पर पुलिस बल, यातायात पुलिस और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई। भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी गई।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं और इसी दिन से चातुर्मास का आरंभ होता है। इस कारण इस दिन वृंदावन की परिक्रमा का विशेष महत्व माना जाता है।

श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस पावन तिथि पर श्रद्धापूर्वक परिक्रमा करने से भगवान श्रीहरि विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। पूरे दिन परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति से सराबोर दिखाई दिया।

### घरों में हुई विशेष पूजा

**यूनिक समय, मथुरा।** शनिवार को घरों में विशेष पूजा- अर्चना हुई। देवशयनी एकादशी पर महिलाओं ने भगवान विष्णु की आराधना की और मंगल कामना करते प्रसाद अर्पित किया। एकादशी पर सुबह से घरों में भक्ति- भाव बना था। महिलाओं ने धार्मिक रिवाज से देवों की आराधना की। घर- परिवार की सुख- समृद्धि के लिए भी कामना की गई।

### भक्ति के सागर में डूबे श्रद्धालु

**यूनिक समय, वृंदावन।** न थकान की चिंता और उमस की। परिक्रमा दे रहे किसी श्रद्धालु के हाथ माला झोली थी, कई जगह सीताराम–हरे राम का संकीर्तन करते साधु भक्ति में डूबे नजर आए। किसी के हाथ ढोलक थी, किसी के हाथ मंजीरा और किसी के हाथ में चिमटा। 11 किलो मीटर के परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालुओं की श्रंखला नजर आ रही थी। भगवान भास्कर के तल्ख तेवरों के कारण दोपहर के वक्त परिक्रमार्थियों की संख्या में कमी नजर आई तो सायं होते ही फिर से परिक्रमार्थियों की संख्या मे तेजी आ रमणरेती पुलिस चौकी के पास संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य वाहनों को नियंत्रण कराते नजर आए। देवशयनी एकादशी पर कई श्रद्धालुओं ने यमुना महारानी की पूजा अर्चना की।

# जाम से वृंदावन बेहाल

वृंदावन में परिक्रमार्थियों के बीच से होकर निकलते बड़े वाहन।

## प्रेम मंदिर–इस्कॉन सहित प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लगीं कतारें

**यूनिक समय, वृंदावन।** देवशयनी एकादशी, सप्ताहांत और गुरु पूर्णिमा से पहले श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद के चलते शनिवार को वृंदावन में दिनभर यातायात जाम की स्थिति बनी रही। सुबह से ही प्रेम मंदिर, इस्कॉन मंदिर, रमणरेती पुलिस चौकी चौराहा, जिला संयुक्त चिकित्सालय तिराहा और अटल्ला चुंगी सहित कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मंदिरों तक पहुंचने में लोगों को सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी अधिक समय लगा। सुबह करीब सात बजे से प्रेम मंदिर और इस्कॉन मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर कारों, बसों, टैक्सियों, ई–रिक्शा और दोपहिया वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता गया। रमणरेती पुलिस चौकी के पास पुलिसकर्मियों को मोटा रस्सा बांधकर वाहनों को रोकना पड़ा, ताकि परिक्रमार्थियों को सुरक्षित सड़क पार कराई जा सके। कई स्थानों पर पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों से भी यातायात संचालित किया, फिर भी जाम की स्थिति बनी रही।

शनिवार होने के कारण दिल्ली, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु वृंदावन पहुंचे। सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग और शहर के भीतर निजी वाहनों की बढ़ती संख्या ने यातायात व्यवस्था को और प्रभावित किया। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि सप्ताहांत और प्रमुख पर्वों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, इसलिए पार्किंग और ट्रैफिक प्रबंधन को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

# तय रूट पर ही दौड़ेंगे ऑटो और ई–रिक्शा

### यातायात जाम की समस्या पर लगेगी लगाम

### नगर आयुक्त ने की पदाधिकारियों के साथ बैठक

### वाहनों में डस्टबिन रखना भी होगा अनिवार्य

**यूनिक समय, मथुरा।** शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने और ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने ऑटो और ई–रिक्शा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर साफ निर्देश दिए कि सभी वाहन केवल निर्धारित और पंजीकृत रूटों पर ही चलाएं जाएं। प्रत्येक ऑटो और ई–रिक्शा में डस्टबिन रखना अनिवार्य होगा, ताकि शहर की स्वच्छता भी बनी रहे।

ई–रिक्शा संगठन के पदाधिकारियों से वार्ता करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज, साथ हैं अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह।

बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था केवल प्रशासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि वाहन चालकों और संगठनों के सहयोग से ही संभव है। उन्होंने कहा कि तय रूटों का पालन होने से अनावश्यक ट्रैफिक जाम कम होगा और आम लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्होंने सभी चालकों से अपने वाहनों में डस्टबिन रखने और यात्रियों को भी सड़क पर कूड़ा न फेंकने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में ऑटो और ई–रिक्शा संचालन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया गया। वहीं संगठन के पदाधिकारियों ने अपने सुझाव भी रखे। बैठक में अपर नगर आयुक्त, ऑटो-ई–रिक्शा प्रभारी सौरव सिंह, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गुलबीर चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# जलभराव के विवाद में भड़की हिंसा, लाठी-डंडे और पथराव

## दो महिलाओं समेत पांच घायल, युवक की हालत गंभीर

## मारपीट का वीडियो वायरल, पुलिस पर लापरवाही के आरोप

**यूनिक समय, वृंदावन।** थाना जमुनापार क्षेत्र स्थित पानीगांव इलाके में रास्ते पर भरे पानी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। शुक्रवार रात हुई इस घटना में एक ही पक्ष के दो महिलाओं सहित पांच लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि गंभीर घायल युवक को बेहतर उपचार के लिए आगरा रेफर किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, किशोरी कुंज आश्रम के निकट रहने वाले मुस्ताक और उसके पड़ोसी सतीश के बीच लंबे समय से रास्ते पर जलभराव को लेकर विवाद चल रहा था। मुस्ताक का आरोप है कि क्षेत्र में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण आए दिन परेशानी होती है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे सतीश अपने कई साथियों के साथ उसके घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद लाठी-डंडे चलने लगे और जमकर ईंट-पत्थर फेंके गए।

घटना में मुस्ताक, नूर मोहम्मद, गुड्डू, उसकी मां साबरा और बहन नूरबानो घायल हो गए। नूरबानो के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि दूसरी महिला के पैर में चोट लगी। गुड्डू की हालत गंभीर होने पर उसे आगरा रेफर किया गया है।

घटना का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ युवक हाथों में डंडे लेकर पथराव करते दिखाई दे रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित मुस्ताक ने पुलिस पर समय रहते कार्रवाई न करने और मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

# पुराने बस स्टैंड पर चालकों में मारपीट

## वीडियो वायरल होने के बाद जांच शुरू

## मुड़िया मेले के बीच हुई घटना से हड़कंप

**यूनिक समय, मथुरा।** शहर के पुराने बस स्टैंड पर शुक्रवार रात दो बस चालकों और उनके साथियों के बीच हुए विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिससे बस स्टैंड पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के समय बड़ी संख्या में यात्री बसों का इंतजार कर रहे थे, जो अचानक हुए हंगामे से घबरा गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और हाथापाई शुरू हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह विवाद शांत कराया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस और परिवहन विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

# चार दिन में हाईवे पर हुई वारदातों से लोगों में दहशत

## बाइक सवार बदमाशों ने दिया घटनाओं को अंजाम

## पुलिस अपराधियों की तलाश में दे रही है ताबड़ तोड दबिश

**यूनिक समय मथुरा।** चार दिन के अंतराल में थाना हाईवे क्षेत्र में बदमाशों द्वारा टप्पेबाजों ने प्लाईवुड के कर्मचारियों से कार में रखे पच्चीस लाख रुपये कार से ऑयल फैलने का झांसा देकर पार कर दिए। इसके बाद इसी थाना क्षेत्र में ही बदमाशों ने कूरियर कर्मचारी से 85 लाख रुपये के सोने के जेवरात गायब कर दिए। दोनों घटनाओं को अंजाम देने वाले दो बाइक सवार ही बताए जा रहे हैं। पुलिस बदमाशों की तलाश में आस-पास के जनपदों में भी दबिश दे रही है।

गौरतलब है कि 20 जुलाई को प्लाईवुड व्यवसाई नितेश अग्रवाल के नौकरों से टप्पेबाज गैंग ने सुनियोजित तरीके से घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने कार से जाते व्यवसाई के कर्मचारियों की कार को यह कहकर रुकवाया कि कार से ऑयल फैल रहा है।

कर्मचारी कार को रोक कर बोनट खोलकर देखने लगे। इसी दौरान बाइक सवार कार में रखा नोटों से भरा बैग लेकर चलते बने। पुलिस ने अपराधियों तक पहुंचने के लिए 200 से अधिक सीसी टीवी केमरों की फुटेज चेक की। पुलिस इस मामले में अपराधियों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी दौरान बदमाशों ने इसी थाना क्षेत्र में इससे बढ़ी घटना को अंजाम देकर पुलिस के सामने खुली चुनौती खड़ी कर दी। बाइक सवार दो बदमाशों ने शुक्रवार शाम कूरियर कर्मचारी को अपना शिकार बनाया। 550 ग्राम सोने के आभूषणों को दिल्ली भेजने के लिए थैले में ले जाने के दौरान बस से थैला गायब कर दिया। इस घटना से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों ने जनपद की सीमा सील करने के बाद बदमाशों को तलाश किया,लेकिन बदमाश पुलिस की पकड़ में नहीं आए।

### एसएसपी ने लगाई घटना के खुलासे को आधा दर्जन पुलिस टीमें

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाईवे क्षेत्र में हुई टप्पेबाजी और सोने से भरा बैग गायब होने की वारदातों को लेकर एसएसपी गंभीर हैं। उन्होंने अपराधियों को गिरफ्तार करने और माल को बरामद करने के लिए पुलिस की आधा दर्जन टीमो को लगाया है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़-तोड़ दबिश दे रही है। एसएसपी श्लोक कुमार ने हाईवे थाना क्षेत्र में हुई दोनों वारदातों को गंभीरता से लिया है। उन्होंने घटना का अनवारण करने के लिए सीओ रिफाइनरी, थाना हाईवे, रिफाइनरी, फरह की पुलिस टीमों के अलावा एसओजी. स्वाट और सर्विलांस टीमों को लगाया गया है। सभी टीमें अपने-अपने तरीकों से अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगी हुई है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दो सौ से अधिक सीसी टीवी केमरों की फुटेज निकाल कर जानकारी जुटाई। दर्जनों दागी अपराधियों को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की, लेकिन नतीजा फिलहाल कुछ नहीं निकला।

### दोनों वारदातों को अंजाम देने वाला हो सकता है एक ही गैंग

**यूनिक समय, मथुरा।** हाईवे पर हुई दोनों वारदातों में एक ही गैंग द्वारा किए जाने की आशंका जाहिर की जा रही है। प्लाईवुड व्यापारियों के नौकरों से टप्पेबाजी कर 25 लाख का थैला ले जाने वाली घटना में बाइक सवार दो बदमाश बताए गए। इसी तरह कूरियर कर्मचारी के 85 लाख के सोने के जेवरात भरे बैग को बस से गायब करने मे भी बाइक सवार दो युवकों का हाथ होना बताया जा रहा है। बदमाश काफी शातिर हैं। इस बात की भी संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है कि बाइक सवारों ने घटना के अंजाम देने से पहले अच्छी तरह से रैकी की और ऐसा स्थान चुना जहां कैमरे नहीं थे। यही वजह है कि पुलिस को घटना करने वाले बदमाशों को खोजने में समय लग रहा है।

# तीन साल पहले लापता हुए युवक के कुएं से मिले अस्थि और अवशेष

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाईवे के गांव बाजना के कुएं से मिले मानव अवशेष को तीन साल पहले लापता हुए युवक के बताए जाने के मामले में मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने अस्थि अवशेषों की जांच की। पुलिस तहरीर मिलने और साक्ष्यों के आधार पर इस मामले में कार्रवाई करेगी।

एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि थाना हाइवे के गांव बाजना में कुएं में अवशेष मिलने के बारे में 112 को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कुंए से मिले अवशेष को निकलवाया। गांव के सत्यवीर ने बताया कि उसका चचेरा भाई तीन साल पहले अचानक लापता हो गया था। काफी तलाश करने पर भी उसका पता नहीं लगा था।

इस पर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। उसने इस बात की आशंका व्यक्त की है कि गांव के टीकम और महेश ने उसकी हत्या कर शव को कुंए में फेंक दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस इस बारे में जांच कर रही है। कुएं से बरामद अस्थियों को जांच के लिए फॉरेंसिक और मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है। इस में तहरीर और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

# श्रद्धालुओं का टेंपो पलटा, एक की मौत

## परिक्रमा करके लौटते में हुआ हादसा, आधा दर्जन घायल

**यूनिक सम, गोवर्धन।** शनिवार प्रातः परिक्रमा कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा एक टेंपो अचानक अनियंत्रित होकर अड़ीग के समीप पलट गया। हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए।

बताया गया कि बरेली से कुछ लोग गोवर्धन में गिरिराज जी की सप्तकोसीय परिक्रमा करने आए थे। परिक्रमा करने के बाद आज प्रातः सभी लोग एक टेंपो में सवार होकर मथुरा के लिए आ रहे थे। रास्ते में मथुरा-गोवर्धन मार्ग पर अड़ीग चौकी क्षेत्र में अचानक तेज गति से चल रहा टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। टेंपो में सवार श्रद्धालुओं में चीख-पुकार मच गयी। दुर्घटना को देख कर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके साथ ही दुर्घटनाग्रस्त टेंपो से घायलों को निकाला। इस दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में डालचंद की मौत हो गई। पुलिस ने एम्बुलेंस से सभी आधा दर्जन घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने डालचंद के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डालचंद की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

# रंगदारी को लेकर एक परिवार के घर पर की गई फायरिंग

## पीड़ित गांव छोड़कर दूसरी जगह रहने को मजबूर थाने ने नहीं की कार्रवाई

## सुरक्षा को अधिकारियों से लगा रहा है पीड़ित गुहार

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना बल्देव क्षेत्र में एक परिवार से रंगदारी वसूलने के लिए उनके घर पर फायरिंग की गई। थाने में रिपोर्ट कराए जाने के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो भयभीत परिवार ने गांव छोड़ दिया। पीड़ित अधिकारियों से सुरक्षा की गुहार लगा रहा है।

पीड़ित बंटी अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि गांव का एक युवक लंबे समय से रंगदारी मांग रहा था। परिवार द्वारा रुपये देने से इंकार करने पर 19 जुलाई को रंगदारी मांगने वाले ने घर पर फायरिंग कर दी। परिवार के लोगों ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गांव छोड़ दिया।

बंटी अग्रवाल का कहना है कि घटना की रिपोर्ट थाना बल्देव में कराए जाने के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके चलते रंगदारी मांगने वाला और फायरिंग करने वाला खुले आम घूमकर जान से मारने की धमकियां दे रहा है। पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जान और भय के कारण परिवार गांव छोड़ कर सुरक्षित स्थान पर रह रहा है। पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने से परेशान बंटी अग्रवाल ने सीओ महावन से इस मामले में कार्रवाई कराने और परिवार की सुरक्षा की गुहार की है। बताया गया कि इस मामले में पहले एसडीएम से भी पीड़ित ने सुरक्षा की गुहार लगाई है।

शनिवार को गोवर्धन स्थित मुखारबिंद मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु।

मानसी गंगा पर फब्बारों से स्नान करते श्रद्धालु।

# फब्बारों से स्नान,जूताघर भी हो गए तैयार

## ई-रिक्शा, बेसहारा गोवंशी बन रहे हैं परिक्रमा में समस्या

## दंडवती परिक्रमा पर नहीं लगी रोक, पूजा सामान की बिक्री

**यूनिक समय, मथुरा।** गिरिराजजी से सुख- समृद्धि और मंगल की कामना पाने को श्रद्धालु अब गोवर्धन की ओर आने लगे हैं। प्रशासन के व्यापक इंतजामों पर स्थानीय लोग ग्रहण लगा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मानसी गंगा को चारों से बंद कर दिया है। ऐसे में स्नान की आस फब्बारों से पूरी हो रही है। सेवा- सुश्रुवा के साथ मेला से आय पाने के लिए भी दुकानदार और सामाजिक संगठन तैयारी के साथ मोर्चे पर जमे हुए हैं।

मुड़िया मेला अब श्रद्धालुओं की भीड़ से भरने लगा है। उमस और गर्मी की वजह से दोपहर को परिक्रमा मार्ग कुछ सुस्त दिखता है, जबकि शाम होते ही परिक्रमा पथ गुलजार होने लग जाता है। रात होने से पहले समूचे मार्ग पर केवल परिक्रमार्थियों के सिर ही सिर नजर आते हैं। दूधिया रोशनी की चकाचौंध श्रद्धा के पथ पर सुरक्षा की राह दिखाती है तो पड़ाव स्थलों पर सुरक्षा के बेहतर इंतजाम मन को मोहते हैं। दानघाटी मंदिर से बड़ी परिक्रमा शुरू करने से पहले आसपास कई जूताघर नजर आते हैं, यहां सेवा के साथ आर्थिक जरूरत को पूरा करने का काम है। ऐसे जूताघरों में एक जोड़ी जूते- चप्पल 10 रुपये में रखे जा रहे हैं, जबकि बीस रुपये में बैग भी यहां सुरक्षित रखने का इंतजाम है। परिक्रमा के दौरान भूख शांत करने को परोपकारी लोगों ने भंडारे सजाए हैं। कतारबंद भंडारों में परिक्रमार्थी भोजन के साथ जल सेवा का लाभ उठा रहे हैं। समूचे परिक्रमा मार्ग में सेवा और संकल्प के साथ सुश्रुवा का यह भाव मन को मोहता है।

परिक्रमा मार्ग में सजी दुकान से भगवान लड्डू गोपाल के लिए पोशाक खरीदतीं विदेशी श्रद्धालु।

प्रशासन की मनाही के बाद भी दंडवती परिक्रमा लगाते श्रद्धालु।

परिक्रमा मार्ग में कुछ कमियां परिलक्षित होती दिखी। प्रशासन की मनाही के बाद काफी लोग दंडवती परिक्रमा लगाते दिखे, जबकि परिक्रमार्थियों के मध्य में दौड़ते ई-रिक्शा सिस्टम पर सवाल खड़े करते हैं, जबकि बेसहारा सांड और गोवंशी नगर पंचायत के इंतजामों पर प्रश्न चिन्ह लगाते हैं। परिक्रमा समापन पर श्रद्धालुओं के लिए स्नान का केंद्र मानसी गंगा अब बल्लियों से पैक हो गई हैं, ऐसे में चारों ओर लगाए गए फब्बारे श्रद्धालुओं को स्नान कराकर भाव- भक्ति का अहसास कराते हैं।

समूचे परिक्रमा मार्ग में काफी संख्या में भिक्षुक भी नजर आए। पड़ाव स्थलों के अलावा कच्ची परिक्रमा में बैठे ऐसे भिक्षुक श्रद्धालुओं को रोकर भीख मांगते दिखे। ऐसे भिक्षुकों ने कच्चे परिक्रमा मार्ग को भी घेर रखा हैं, जिससे श्रद्धालुओं को परिक्रमा के दौरान असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। मानसी गंगा के बाद श्रद्धा का समूचा भाव दानघाटी मंदिर में दिखा, जहां गोवर्धन नाथ की जय- जयकार के अलावा कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। वाहनों की आमरद होने से अब तो पार्किग स्थल भी भरे हुए दिखने लगे हैं।

परिक्रमा मार्ग में विचरण करता बेसहारा गोवंश।

परिक्रमा मार्ग में ई-रिक्शा का संचालन भी होता रहा, जिससे परिक्रमार्थी परेशान रहे।

प्रशासन द्वारा तैयार किए गए पार्किग स्थल पर खड़े श्रद्धालुओं के वाहन।

दानघाटी मंदिर में पूजा- अर्चना करते श्रद्धालु।

## श्रद्धालुओं की सुरक्षा को बम निरोधक दस्ता अलर्ट

**यूनिक समय, गोवर्धन।** मुड़िया पूर्णिमा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मेले को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए बम निरोधक दस्ता से पूरे मेला क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। बम निरोधक दस्ते ने मेले के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर संदिग्ध वस्तुओं की गहन जांच की। सार्वजनिक स्थानों, दुकानों, परिक्रमा मार्ग और भीड़भाड़ वाले इलाकों में रखे सामान की बारीकी से तलाशी ली गई, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके। गोवर्धन बस स्टैंड पर भी विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने यात्रियों और श्रद्धालुओं के बैगों की जांच की तथा उनसे आवश्यक जानकारी भी ली। लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा गया। परिक्रमा मार्ग, दानघाटी मंदिर, प्रमुख मंदिरों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार की जा रही है।

# सिविल डिफेंस ने संभाली मुड़िया मेला की कमान

**यूनिक समय, मथुरा।** डीएम- नियंत्रक नागरिक सुरक्षा विभाग चंद्रप्रकाश सिंह के निर्देश पर सिविल डिफेंस मुड़िया मेला में सक्रिय हो गया है। मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा और यातायात व्यवस्था को संभालने में स्वयंसेवक मुस्तैदी से काम में जुटे हैं। उप नियंत्रक राष्ट्रपति पदक सम्मानित कश्मीर सिंह, सहायक उप नियंत्रक नीरज श्रीवास्तव, चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल, डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल नेतृत्व में वार्डन पोस्ट–01 के पोस्ट वार्डन और मास्टर ट्रेनर इंजी. अशोक यादव की टीम के 46 वार्डन और स्वयंसेवक महाराणा प्रताप मंडी चौराहा और गोवर्धन चौराहे पर सुबह–शाम की शिफ्टों में सुगम ट्रैफिक और श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं।

मेले में व्यवस्था बनाए रखने के लिए पोस्ट वार्डन अशोक यादव, सेक्टर वार्डन नंद किशोर, गुलशेर, शुभम कुमार निवेश्वर, हेमंत, देवेन्द्र कुमार, पंकज गर्ग, पंकज कुमार, जयवीर यादव, अविनाश कुमार सिंह, अरुण कुमार, सोहनलाल, नरेश अग्रवाल, श्याम सिंह, राम सैनी, कौशल किशोर, सोनू, नवीन, योगेश कुमार, विनोद, रोहित कुशवाहा, पवन, विनोद कुमार और पंकज धनगड़ आदि स्वयंसेवकों ने मुस्तैदी से सराहनीय सेवाएं दीं।

## हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
**कार्यालयः**- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
**फोन नंबर-0565-3550761**
**मो. 9837155888**
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

# सीएचसी-पीएचसी में इलाज को अब आभा हेल्थ आईडी जरूरी

## आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत नई व्यवस्था लागू

## डिजिटल रिकॉर्ड से देशभर में मिलेगा इलाज का पूरा इतिहास

**यूनिक समय, मथुरा।** जिले की सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं अब पूरी तरह डिजिटल व्यवस्था की ओर बढ़ रही हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत जिला अस्पताल के बाद अब सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी मरीजों के इलाज के लिए आभा हेल्थ आईडी अनिवार्य कर दी गई है। अब सरकारी अस्पतालों में ओपीडी पर्ची आभा हेल्थ आईडी के माध्यम से ही बनाई जाएगी। जिन मरीजों के पास अभी आभा आईडी नहीं है, उनके लिए अस्पताल परिसर में ही इसे निःशुल्क बनाने की सुविधा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधाबल्लभ ने बताया कि जिले में आभा हेल्थ आईडी बनाने का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में करीब 48 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 69 प्रतिशत लोगों की आभा आईडी बन चुकी है। उन्होंने बताया कि सभी सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को अब इसी डिजिटल हेल्थ आईडी से जोड़ा जा रहा है, ताकि उनका पूरा स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सके। आभा हेल्थ आईडी बनाने के लिए मरीज के पास आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर और स्मार्टफोन होना आवश्यक है। सत्यापन के बाद मरीज को एक यूनिक हेल्थ आईडी नंबर जारी किया जाएगा। इसके बाद भविष्य में किसी भी सरकारी अस्पताल में केवल यही नंबर बताने पर ओपीडी पर्ची बन जाएगी और मरीज का पूरा इलाज संबंधी रिकॉर्ड डॉक्टर के सामने उपलब्ध हो जाएगा।

नोडल अधिकारी डॉ. पीयूष सोनी ने बताया कि आभा हेल्थ आईडी के माध्यम से मरीज की जांच रिपोर्ट, दवाइयों का विवरण, उपचार का इतिहास और अन्य चिकित्सकीय रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगे। इससे डॉक्टरों को मरीज का इलाज करने में आसानी होगी और मरीजों का समय भी बचेगा। उन्होंने यह भी बताया कि जिन लोगों का आयुष्मान कार्ड पहले से बना हुआ है, उनकी आभा हेल्थ आईडी भी स्वतः तैयार हो रही है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी सीएचसी और पीएचसी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि अधिक से अधिक लोगों की आभा हेल्थ आईडी बनवाई जाए और उन्हें इसके लाभों के बारे में जागरूक किया जाए।

# 663 परिषदीय विद्यालयों को मिली डेस्क-बेंच की सौगात

**यूनिक समय, मथुरा।** जनपद में शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देने के लिए पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में भव्य कार्यक्रम हुआ। 663 परिषदीय विद्यालयों को 14,060 डेस्क-बेंच उपलब्ध कराकर शत-प्रतिशत फर्नीचर उपलब्धता का लक्ष्य पूरा किया गया। 101 ग्राम पंचायतों में मियावाकी पद्धति से विकसित 'लाडली वन' की स्थापना के माध्यम से ब्रज की हरियाली बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद हेमा मालिनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। पंचायती राज विभाग और बेसिक शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से विद्यालयों में फर्नीचर उपलब्ध कराने, 101 ग्राम पंचायतों में मियावाकी पद्धति से तैयार किए गए 'लाडली वन' की उपलब्धियों का वीडियो प्रस्तुतीकरण सभागार में प्रदर्शित किया गया, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों,गणमान्य लोगों ने सराहा। डीएम सीपी सिंह ने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों, प्रशासकों, सचिवों, सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) और बेसिक शिक्षा विभाग की टीम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी की पहल की प्रशंसा करते हुए भविष्य में जनपद की सभी 495 ग्राम पंचायतों में 'लाडली वन' विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। सीडीओ डॉ.पूजा गुप्ता ने जनपद में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में विकास खंड गोवर्धन की ग्राम पंचायत अड़ींग, सोसा स्थित ज्ञान ज्योति डिजिटल लाइब्रेरी से अध्ययन कर उपनिरीक्षक पद पर चयनित युवाओं को सांसद और डीएम ने प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। मियावाकी पद्धति से 'लाडली वन' विकसित करने वाले 10 प्रशासकों, 10 सचिवों, विद्यालयों में उत्कृष्ट फर्नीचर उपलब्ध कराने वाले 10 प्रशासकों- सचिवों, उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत), तीन खंड विकास अधिकारियों और तीन खंड शिक्षा अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर विधायक राजेश चौधरी,विधायक पूरन प्रकाश सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यशाला का शुभारंभ करती सांसद हेमा मालिनी, साथ हैं डीएम सीपी सिंह, सीडीओ पूजा गुप्ता।

# 103वीं जयंती पर याद किए गए ब्रज संस्कृति के पुरोधा भैयाजी

ब्रज संस्कृति केंद्र की बैठक में मौजूद साहित्यकार।

## प्रतिवर्ष भैयाजी की स्मृति में कराया जाएगा ब्रज लोकोत्सव

**यूनिक समय, मथुरा।** शहर के सेठबाड़ा स्थित केशोरैया भवन में ब्रज संस्कृति केंद्र के तत्वावधान में ब्रज संस्कृति के पुरोधा स्व. रामनारायण अग्रवाल 'भैयाजी' की 103वीं जयंती पर कृतज्ञता अनुष्ठान का आयोजन हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. नटवर नागर ने की, जबकि अतिथि केंद्रीय बकरी अनुसंधान केंद्र फरह के पूर्व प्रसार अधिकारी शिवचरण गौतम रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और भैयाजी के चित्र पर माल्यार्पण-दीप प्रज्वलन से हुआ। आचार्य डॉ. खेमचंद यदुवंशी शास्त्री ने कहा कि भैयाजी ने लोकनाट्य, रासलीला, रामलीला, भगत, संगीत, ब्रजभाषा काव्य और नौटंकी जैसी विधाओं पर 200 से अधिक ग्रंथों की रचना कर ब्रज संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में अतुलनीय योगदान दिया। उन्होंने उन्हें ब्रज संस्कृति का सच्चा पोषक बताया।

इस अवसर पर मोहनलाल 'मोही', देवी प्रसाद गौड़, डॉ. नीतू गोस्वामी, डॉ. सीमा मोरवाल सहित अनेक साहित्यकारों और कलाकारों ने भैयाजी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर प्रकाश डाला। ब्रजभाषा काव्य गोष्ठी में कवियों ने अपनी रचनाओं से ब्रज की सांस्कृतिक विरासत को स्वर दिया। समापन पर शिवचरण गौतम ने घोषणा करते हुए कहा कि भैयाजी की स्मृति में प्रतिवर्ष ब्रज लोकोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें ब्रजभाषा, लोकनाट्य, रास, रसिया और नौटंकी जैसी लोक कलाओं को मंच प्रदान किया जाएगा। संचालन आकाशवाणी मथुरा के उद्घोषक डॉ. मयूर कौशिक ने किया।

# प्रदेश स्तरीय महिला कबड्डी, जिम्नास्टिक प्रतियोगिता को 31 जुलाई को होंगे ट्रायल

**यूनिक समय, मथुरा।** प्रदेश स्तरीय महिला कबड्डी और जिम्नास्टिक प्रतियोगिता के लिए मथुरा की महिला खिलाड़ियों का जिला स्तरीय चयन ट्रायल 31 जुलाई को मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम गणेशरा में होगा। खेल निदेशालय के तत्वावधान में 4 से 6 अगस्त तक आगरा में प्रदेश स्तरीय महिला कबड्डी और जिम्नास्टिक प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली आगरा मंडल की टीम के चयन के लिए मंडल स्तरीय ट्रायल एक अगस्त को सुबह 11 बजे आगरा में होंगे। इसके लिए मथुरा जनपद का जिला स्तरीय चयन ट्रायल 31 जुलाई को दोपहर 12 बजे से मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में आयोजित होगा। ट्रायल में वही महिला खिलाड़ी भाग ले सकेंगी, जिनकी आयु 31 दिसंबर 2026 तक 25 वर्ष से अधिक नहीं होगी। उप क्रीड़ा अधिकारी ने कहा कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली इच्छुक महिला खिलाड़ियों को अपने आधार कार्ड के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होना होगा।

# ऐंच गौशाला प्रकरण में चोरी के नहीं मिले साक्ष्य

**यूनिक समय, मथुरा।** ग्राम ऐंच स्थित अस्थायी गौशाला में कथित गोवंश चोरी के मामले में एसएसपी श्लोक कुमार को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में अब तक चोरी की पुष्टि नहीं हुई है। स्थलीय निरीक्षण के दौरान गौशाला में 110 टैगयुक्त गोवंश सुरक्षित मिले, जिनका अभिलेखों से पूरा मिलान हुआ। इसके अलावा आठ बिना टैग वाले गोवंश भी मिले, जिन्हें स्थानीय ग्रामीण समय-समय पर गौशाला में छोड़ते हैं। जांच में सामने आया कि करीब 15 से 20 दिन पहले श्रमिकों की हड़ताल और नए श्रमिकों की नियुक्ति के बाद आपसी विवाद पैदा हुआ था। इसी रंजिश के चलते भ्रामक सूचना फैलाए जाने की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार एफआईआर में 12 गोवंश को खींचकर ले जाने का दावा किया गया, लेकिन घटनास्थल से मुख्य सड़क तक कोई निशान या अन्य साक्ष्य नहीं मिले। साधु की रस्सी खोलते हुए प्रकाशित तस्वीर भी घटनास्थल की नहीं, बल्कि पुलिस चौकी के बाहर की बताई गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी और मौखिक साक्ष्यों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता

**यूनिक समय, बलदेव।** ब्लाक क्षेत्र के जादौपुर स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ।

इस अवसर पर शिव कुमार प्रदेश अध्यक्ष उप्र. अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, हरा-भरा वातावरण देने के लिए पौधारोपण महत्वपूर्ण कदम है। सराहनीय पहल करते हुए इंडियन पब्लिक स्कूल जादौपुर में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ।

प्रधानाचार्य तुषार देशवार ने कहा कि एक पौधा लगाना केवल जमीन में बीज बोना नहीं है, बल्कि आने वाले कल के लिए सांसों का प्रबंध करना है। हाथों में पौधे और चेहरे पर मुस्कान लिए छात्र-छात्राएं प्रकृति सेवा के इस पवित्र कार्य के लिए पूरी तरह तैयार दिखे। इस अवसर पर धर्मेन्द्र परिहार, विवेक कुमार, विद्यासागर सरपंच, देवेंद्र सिंह, अंजली सिकरवार, सलोनी, संजना, गरिमा ,अम्बिका, पूजा, मनू और शिक्षक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# जंक्शन पर गूंजी किलकारी, महिला ने बच्ची को दिया जन्म

जंक्शन पर प्रसव के बाद नवजात शिशु को संभालती आरपीएफ कर्मी।

## डॉक्टर, आरपीएफ और कर्मचारियों की सूझबूझ से जच्चा-बच्चा सुरक्षित

**यूनिक समय, मथुरा।** जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल देखने को मिली। प्लेटफॉर्म संख्या-6 (आगरा छोर) पर यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला यात्री ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। सूचना मिलते ही रेलवे चिकित्सक, रेल सुरक्षा बल और रेलवे कर्मचारियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जच्चा और नवजात को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। समय पर मिली चिकित्सा सहायता से दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं।

शनिवार दोपहर उप स्टेशन प्रबंधक (कॉमर्शियल) को आरपीएफ के सीसीटीवी कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि प्लेटफॉर्म संख्या-6 पर एक महिला यात्री को तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही रेलवे अस्पताल से चिकित्सक डॉ. अभय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। डॉक्टरों ने मौके पर पहुंचकर देखा कि महिला का प्रसव हो चुका है और उन्होंने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है। चिकित्सा टीम ने तुरंत जच्चा और नवजात को प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद आरपीएफ और वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की मदद से दोनों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल, मथुरा भेजा गया। महिला की पहचान धनकुंवर निवासी बैरवारा जनपद ललितपुर के रूप में हुई है। वह अपने पति के साथ बावल, हरियाणा से मथुरा की यात्रा कर रही थीं। प्रसव के समय पति भी मौके पर मौजूद थे।

## सार्वजनिक सूचना

श्रीमती रोता देवी पत्नी श्री शशिपाल सिंह ए 37 महाराजा ग्रिन्स पाली खेडा सौख रोड मथुरा सूचित करता हूँ कि सबरजिस्ट्रर मथुरा के यहाँ वही नं. खसरा न 711 रजिस्ट्री नं 18981 के पृष्ठ 351 से 364 तक क्रमांक 4789 दिनांक 10 मार्च 2025 है। जिसकी एक चैन जोकि हरेन्दरा सिंह से लिया हुआ श्रीमती स्वाति पत्नी श्री चन्दन किशोर जिसकी रजिस्ट्री वही संख्या 1 जिल्द सं. 11104 पृष्ठ सं. 257 से 298 पर क्रमांक 19187 दिनांक 13 नवम्बर 2014 को रजिस्टर हुआ था । जो दिनांक 29 जून 2026 को खो गयी है। जिसका प्रयोग अवैध होगा

### एम्स प्रोफेसर की रिसर्च में खुलासा

# बुजुर्गों की याददाश्त पर असर डाल सकता है जवानी का चिड़चिड़ापन

**यूनिक समय, मथुरा।** जवानी में चिड़चिड़े और तनावग्रस्त स्वभाव के लोग बुढ़ापे में मानसिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। यह खुलासा हुआ है एम्स, दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर और जेरिएट्रिशियन डॉ. प्रसून चटर्जी की रिसर्च में, जो जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ जेरिएट्रिक्स में प्रकाशित हुई है। इस शोध के अनुसार, खुशमिजाज और संतुलित जीवनशैली जीने वाले लोग 75 वर्ष की उम्र में भी मानसिक रूप से चुस्त रहते हैं, जबकि अधिक तनाव, गुस्सा और चिड़चिड़ेपन वाला व्यवहार मस्तिष्क की कार्यक्षमता को धीरे-धीरे प्रभावित करता है।

रिसर्च में यह बताया गया कि सुपरएजिंग यानी वह स्थिति जिसमें 75 वर्ष के व्यक्ति की मानसिक स्थिति 50 वर्षीय व्यक्ति जैसी होती है। केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन पर भी निर्भर करती है। डॉ. चटर्जी के मुताबिक, 25 से 50 वर्ष की उम्र में बार-बार गुस्सा आना, चिंता करना और तनाव में रहना मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इससे व्यक्ति न केवल सुपरएजिंग की श्रेणी से बाहर हो जाता है, बल्कि बुढ़ापे में अवसाद और भूलने की समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। इस अध्ययन के तहत 100 लोगों को तीन समूहों में बांटा गया। पहले समूह में 75 वर्ष से ऊपर के वे 40 लोग थे, जिनकी याददाश्त और मानसिक क्षमता अत्यधिक थी। दूसरे समूह में 75 वर्षीय सामान्य मानसिक स्थिति वाले 30 लोग शामिल थे। तीसरे समूह में 25 से 50 वर्ष के 30 युवा थे। सभी प्रतिभागियों के ब्रेन फंक्शन का गहन परीक्षण किया गया।

भारत में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यदि आज के युवा तनाव, गुस्से और नकारात्मकता में जीवन बिताते हैं, तो भविष्य में मानसिक रोगों से ग्रसित वृद्धों की संख्या में भारी इजाफा हो सकता है। चिड़चिड़ापन न केवल याददाश्त को प्रभावित करता है, बल्कि यह डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियों की जड़ भी बन सकता है।

इस शोध के निष्कर्ष भारत जैसे युवा और वृद्ध आबादी वाले देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह समय है जब युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति सजग किया जाए, ताकि आने वाला भविष्य मानसिक रूप से स्वस्थ और सशक्त बन सके।

# कच्चे पपीते के हलवे का अनोखा स्वाद, गजब मिठास

**यूनिक समय, मथुरा।** क्या आपने कभी कच्चे पपीते का हलवा चखा है? अगर नहीं, तो आप एक अद्भुत स्वाद से वंचित हैं! यह हलवा इतना लाजवाब होता है कि इसे खाने के बाद आप बाकी हलवों का स्वाद भूल जाएंगे।

हम सभी को हलवा पसंद होता है, चाहे वह गाजर का हो, लौकी का या मूंग दाल का। लेकिन क्या आपने कभी कच्चे पपीते का हलवा चखा है? अगर नहीं, तो आप एक अद्भुत स्वाद से वंचित हैं! यह हलवा इतना लाजवाब होता है कि इसे खाने के बाद आप बाकी हलवों का स्वाद भूल जाएंगे। इसकी बनावट कभी खीर जैसी, कभी रबड़ी जैसी, तो कभी मलाई जैसी महसूस होती है, पर एक बात तय है, यह किसी भी मिठाई से कम नहीं। तो आइए जानते हैं, इस अनोखे और स्वादिष्ट हलवे को बनाने का तरीका।

**बनाने की विधि :** एक पूरा कच्चा पपीता लें। इसे अच्छी तरह से छील लें और फिर कद्दूकस कर लें।

एक पैन में घी गर्म करें। जब घी पिघल जाए, तो कद्दूकस किया हुआ पपीता इसमें डालें। पपीते को मध्यम आंच पर तब तक भूनें जब तक वह पूरी तरह से गल न जाए और अच्छी तरह से पक न जाए

दूसरी तरफ, एक गहरे पतीले में 1 लीटर दूध डालें। इसमें थोड़ा सा केसर मिलाएं। दूध को धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए तब तक पकाएं जब तक कि यह रबड़ी की तरह गाढ़ा न हो जाए। जब भूना हुआ पपीता अच्छी तरह पक जाए और दूध रबड़ी जैसा गाढ़ा हो जाए, तो भूने हुए पपीते को गाढ़े दूध में डाल दें।

सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं और कुछ देर और पकाएं। अब इसमें अपनी पसंद के ड्राई फ्रूट्स (जैसे काजू, बादाम, किशमिश), हल्की चीनी (स्वाद अनुसार) और इलायची पाउडर डालें। हलवे को तब तक पकने दें जब तक यह गाढ़ा होकर पैन को छोड़ने न लगे। जब यह सूखने लगे, तो गैस बंद कर दें। इसे कुछ देर ऐसे ही रहने दें ताकि स्वाद और सुगंध एक-दूसरे में अच्छी तरह मिल जाएं।

# मानसून में कपड़ों की बदबू भगाएं इन आसान ट्रिक्स से

**यूनिक समय, मथुरा।** मानसून का मौसम जितना सुकून देने वाला होता है, उतनी ही मुश्किलें कपड़े सुखाने को लेकर सामने आती हैं। बाहर लगातार बारिश के कारण बालकनी में कपड़े सुखाना मुश्किल हो जाता है और मजबूरी में हमें घर के अंदर ही कपड़े टांगने पड़ते हैं। लेकिन घर के अंदर नमी, धूप की कमी और हवा का अभाव कपड़ों में अजीब सी बदबू पैदा कर देता है। ऐसे में धोने के बाद भी कपड़े पहनने का मन नहीं करता। अगर आप भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं, तो परेशान न हों। कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से आप कपड़ों की इस बदबू से छुटकारा पा सकते हैं।

**सिरके का करें इस्तेमाल:** सफेद सिरका कपड़ों से आने वाली बदबू को दूर करने में बेहद असरदार होता है। जब आप कपड़े धो रहे हों, तो आखिरी रिंस में आधा कप सफेद सिरका पानी में मिला दें। चाहे आप बाल्टी में हाथ से कपड़े धो रहे हों या वॉशिंग मशीन में, यह तरीका दोनों में कारगर है। सिरका बैक्टीरिया को खत्म करता है और बदबू पैदा होने से रोकता है।

**खुली जगह पर सुखाएं कपड़े:** जब घर के अंदर कपड़े सुखाने की मजबूरी हो, तो कोशिश करें कि उन्हें खिड़की, बालकनी या पंखे के पास टांगे। ताजी हवा नमी को जल्दी सुखा देती है और कपड़ों में बदबू नहीं आती।

**बेकिंग सोडा डालें:** कपड़े धोते समय डिटर्जेंट में 1 से 2 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। बेकिंग सोडा बदबू को सोख लेता है और कपड़ों को फ्रेश रखने में मदद करता है। इन आसान टिप्स की मदद से आप मानसून में भी अपने कपड़ों को ताजगी और खुशबू से भर सकते हैं। अगली बार जब बारिश आपके कपड़ों को धूप से दूर रखे, तो ये ट्रिक्स जरूर अपनाएं और कपड़ों की बदबू को कहें अलविदा।

# कुल्लू-मनाली: प्राकृतिक सौंदर्य और साहसिक रोमांच का अद्भुत संगम

**यूनिक समय, मथुरा।** हिमाचल प्रदेश के दो प्रमुख पर्वतीय स्थल कुल्लू और मनाली हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, जहां एक ओर कुल्लू अपने धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, वहीं मनाली साहसिक गतिविधियों का केंद्र है।

व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थल बर्फ से ढकी चोटियों, हरे-भरे जंगलों, मनमोहक घाटियों और शांत वातावरण के लिए जाने जाते हैं, जो इन्हें एक आदर्श पर्यटक गंतव्य बनाते हैं। कुल्लू को 'देवताओं की घाटी' के नाम से जाना जाता है जहां का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होता है और यहाँ रघुनाथ मंदिर प्रमुख धार्मिक स्थल है, जो भगवान राम को समर्पित है, जबकि बिजली महादेव मंदिर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित प्राकृतिक और धार्मिक सौंदर्य का अनूठा उदाहरण है। कुल्लू दशहरा यहां का प्रमुख पर्व है, जिसमें हज़ारों श्रद्धालु भाग लेते हैं और अनेक देवी-देवताओं की झांकियां निकाली जाती हैं जो इसकी सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती हैं। वहीं कुल्लू से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली नवविवाहित जोड़ों, ट्रैकिंग और स्कीइंग प्रेमियों के लिए खास तौर पर आकर्षण का केंद्र है, जहां हिडिम्बा देवी मंदिर अपनी अद्भुत वास्तुकला और पौराणिक महत्व के लिए जाना जाता है।

सोलंग वैली में स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, जिपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी रोमांचक गतिविधियां पर्यटकों को लुभाती हैं, जबकि रोहतांग पास बर्फीले दृश्यों का मजा लेने के लिए सबसे लोकप्रिय स्थानों में से एक है जो अधिकतर साल भर बर्फ से ढका रहता है। वशिष्ठ कुंड के गर्म जलस्रोत अपने औषधीय गुणों के कारण प्रसिद्ध हैं और वहां जाकर पर्यटक एक अलग ही अनुभव प्राप्त करते हैं। कुल्लू-मनाली की यात्रा में पर्यटक रिवर राफ्टिंग, ट्रैकिंग, कैंपिंग, बोनफायर, लोक-संगीत और नृत्य का आनंद ले सकते हैं और साथ ही यहां के हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र व लकड़ी के शिल्प उत्पादों की खरीदारी भी कर सकते हैं। कुल्लू-मनाली घूमने का सबसे उपयुक्त समय मार्च से जून के बीच है जब गर्मियों में सुकून भरे पल बिताए जा सकते हैं, जबकि दिसंबर से फरवरी तक की बर्फबारी विंटर स्पोर्ट्स के शौकीनों को आकर्षित करती है। यात्रा के लिए निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कूल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि सड़क मार्ग से दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बसें और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग से सबसे निकटवर्ती स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग ज्यादा सुगम माना जाता है। कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है जो प्रकृति, साहसिकता, अध्यात्म और संस्कृति का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है और हर उम्र व रुचि के यात्रियों के लिए कुछ न कुछ खास लेकर आता है।

## सुविचार

टूटकर भी मुस्कुराना सीखो यही जिंदगी जीने का हुनर है।

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | त्रयोदशी | 01:58-04:15 तक | पक्ष | शुक्ल पक्ष |
| नक्षत्र | मूल | 07:34-10:28 तक | माह | आषाढ़ |
| सूर्योदय | | 5:43 AM | चन्द्रोदय | 05:02 PM |
| सूर्यास्त | | 7:07 PM | चंद्रास्त | 03:15 AM |
| सूर्य राशि | | कर्क राशि | चंद्र | धनु राशि |
| शुभ मुहूर्त | | 11:59AM–12:52 PM | ब्रहम् मुहूर्त | 03:53-04:41 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | | 05:27 PM: 07:07 PM | वार | रविवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

## कल का राशिफल

**मेष:** कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी।

**वृषभ:** रुके कार्य पूरे होंगे। नए अवसर मिलेंगे। निवेश सोच–समझकर करें। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा आज।

**मिथुन:** नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्च नियंत्रित रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

**कर्क:** पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। व्यवसाय में लाभ मिलेगा। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। सेहत का विशेष ध्यान रखें।

**सिंह:** आत्मविश्वास से कार्य पूरे होंगे। मान–सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक लाभ संभव है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

**कन्या:** मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। परिवार में खुशियां आएंगी। यात्रा के योग बन रहे हैं।

**तुला:** पुराने विवाद समाप्त होंगे। धन लाभ के अवसर मिलेंगे। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। सकारात्मक सोच सफलता दिलाएगी आज।

**वृश्चिक:** व्यापार में नई संभावनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

**धनु:** भाग्य का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। धार्मिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी आज।

**मकर:** निवेश से लाभ मिलेगा। नई योजनाएं सफल होंगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा और सम्मान प्राप्त होगा।

**कुंभ:** नौकरी और व्यापार दोनों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। शुभ समाचार मिल सकता है।

**मीन:** मन शांत रहेगा। पारिवारिक सुख मिलेगा। रुका धन प्राप्त हो सकता है। नए कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं।

# सावन में सोलह श्रृंगार से बढ़ता सौभाग्य, सुख और सम्मान

### हर आभूषण में छिपा है आस्था का संदेश

### बिंदी से बिछिया तक हर गहने का महत्व

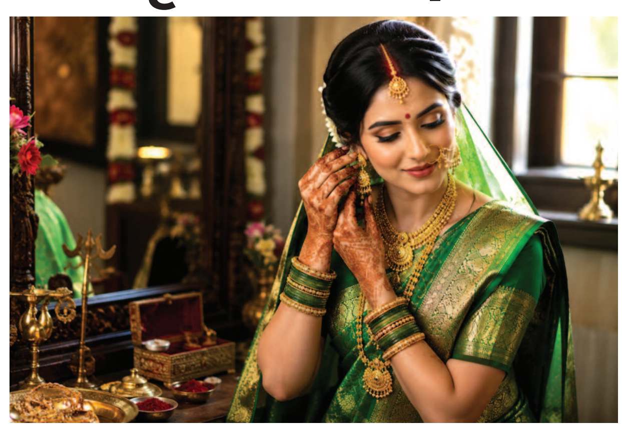

**यूनिक समय, मथुरा।** सावन का महीना भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान विवाहित महिलाएं पति की लंबी आयु, सुख–समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना से व्रत–पूजन के साथ सोलह श्रृंगार करती हैं। भारतीय संस्कृति में सोलह श्रृंगार केवल सौंदर्य बढ़ाने की परंपरा नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, पारिवारिक मूल्यों और शुभता का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के बाद सोलह श्रृंगार धारण किया था, तभी से यह परंपरा सावन, हरियाली तीज, करवाचौथ और अन्य मांगलिक अवसरों पर निभाई जाती है। सोलह श्रृंगार का प्रत्येक आभूषण अपने भीतर विशेष संदेश समेटे हुए है। बिंदी एकाग्रता और शुभता, सिंदूर अखंड सौभाग्य तथा पति की लंबी आयु का प्रतीक माना जाता है।

मांग टीका सम्मान और सकारात्मक सोच, जबकि काजल बुरी नजर से रक्षा का संकेत देता है। नथ विवाहिता की गरिमा, झुमके सौंदर्य और आकर्षण तथा हार समृद्धि और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। मंगलसूत्र पति–पत्नी के अटूट विश्वास का प्रतीक है, वहीं सावन में हरी चूड़ियां नई शुरुआत, खुशहाली और सौभाग्य का संदेश देती हैं।

बाजूबंद शक्ति और आत्मविश्वास, मेहंदी प्रेम और शुभता, अंगूठी समर्पण तथा कमरबंद आत्मसंयम और गरिमा का प्रतीक माना जाता है।

पायल की मधुर ध्वनि को शुभता और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ा जाता है, जबकि बिछिया विवाहित महिला के सौभाग्य की पहचान मानी जाती है। सोलह श्रृंगार का अंतिम अंग इत्र या सुगंध है, जिसे मन की प्रसन्नता और पवित्र वातावरण का प्रतीक माना गया है।


MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality


धर्माचार्यों के अनुसार आधुनिक जीवनशैली के बावजूद सावन और तीज जैसे पर्वों पर महिलाएं आज भी सिंदूर, बिंदी, मेहंदी, चूड़ियां और मंगलसूत्र जैसे पारंपरिक श्रृंगार को विशेष महत्व देती हैं। अलग–अलग क्षेत्रों में इसकी परंपराओं में भले कुछ अंतर हो, लेकिन इसका मूल भाव प्रेम, आस्था, सौभाग्य और पारिवारिक समृद्धि से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि बदलते समय में भी सोलह श्रृंगार भारतीय संस्कृति की अमूल्य परंपरा के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है।

# सावन में कितनी चूड़ियां पहननी चाहिए!

### संख्या नहीं, आस्था को मिलता सबसे अधिक महत्व

### हर प्रदेश की परंपरा, हर परिवार का विश्वास

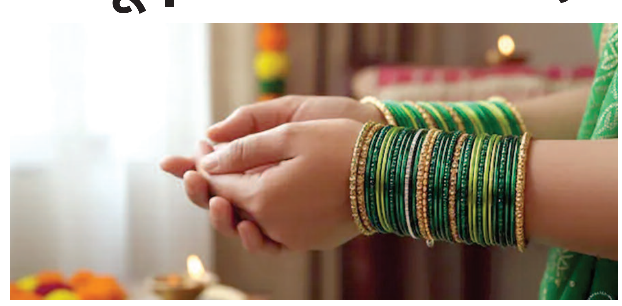

**यूनिक समय, मथुरा।** सावन का महीना आते ही हरियाली, मेहंदी और हरी चूड़ियों की रौनक चारों ओर दिखाई देने लगती है। विवाहित महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के साथ हरी चूड़ियां धारण कर अखंड सौभाग्य और सुख–समृद्धि की कामना करती हैं। हर वर्ष महिलाओं के मन में यह सवाल जरूर उठता है कि सावन में 16, 21, 24 या 28 चूड़ियां पहनना ही शुभ होता है या इसकी कोई निश्चित संख्या नहीं है।

धर्माचार्यों के अनुसार किसी भी धार्मिक ग्रंथ में सावन के दौरान चूड़ियां पहनने की कोई तय संख्या का उल्लेख नहीं मिलता। अलग–अलग राज्यों और परिवारों की अपनी–अपनी परंपराएं हैं। कहीं दोनों हाथों में 8–8 चूड़ियां पहनने का रिवाज है तो कहीं 12–12 चूड़ियां पहनाई जाती हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश में हरी कांच की चूड़ियां विशेष शुभ मानी जाती हैं, जबकि महाराष्ट्र में हरी चूड़ियों के साथ सोने की पतली चूड़ियां पहनने की परंपरा भी प्रचलित है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हरी चूड़ियां हरियाली, समृद्धि, प्रेम और सौभाग्य का प्रतीक हैं। कई स्थानों पर अविवाहित युवतियां भी अच्छे जीवनसाथी की कामना से इन्हें धारण करती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चूड़ियों की संख्या से अधिक महत्व श्रद्धा, विश्वास और पारिवारिक परंपरा का है। चूड़ियां हमेशा सही आकार की और आरामदायक पहननी चाहिए।

धर्म विशेषज्ञ सोशल मीडिया पर प्रसारित उन दावों से भी सावधान रहने की सलाह देते हैं, जिनमें किसी विशेष संख्या की चूड़ियां पहनने को अनिवार्य बताया जाता है। उनका मानना है कि सावन का वास्तविक संदेश भगवान शिव और माता पार्वती की भक्ति, सकारात्मक सोच और पारिवारिक सुख–समृद्धि से जुड़ा है। इसलिए चूड़ियां गिनने से अधिक जरूरी है सच्चे मन से आस्था निभाना।

# हरियाली अमावस्या पर पौधारोपण से मिलता शुभ फल और पुण्य

### बारह अगस्त को मनाई जाएगी हरियाली अमावस्या

**यूनिक समय, मथुरा।** सावन मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या को मनाई जाने वाली हरियाली अमावस्या इस वर्ष 12 अगस्त, बुधवार को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन स्नान, दान, तर्पण और भगवान की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही इसे पौधारोपण के लिए वर्ष का सबसे शुभ दिन भी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन लगाए गए पौधे तेजी से विकसित होते हैं और घर–परिवार में सुख, समृद्धि तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार हरियाली अमावस्या पर सुबह से ही कई शुभ मुहूर्त रहेंगे। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 4:23 बजे से 5:06 बजे तक रहेगा। वर्षा ऋतु होने के कारण यह समय पौधे लगाने के लिए सबसे अनुकूल माना जाता है। इसी वजह से लोग आम, आंवला, बेल, कटहल, कदंब जैसे फलदार पौधों के साथ पीपल, बरगद, नीम, शमी और पारिजात जैसे पूजनीय वृक्ष भी लगाते हैं। धर्माचार्यों का कहना है कि हरियाली अमावस्या केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का संदेश देने वाला उत्सव भी है। इस दिन एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करना पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है।

# चातुर्मास में बदल जाती लड्डू गोपाल सेवा की परंपरा

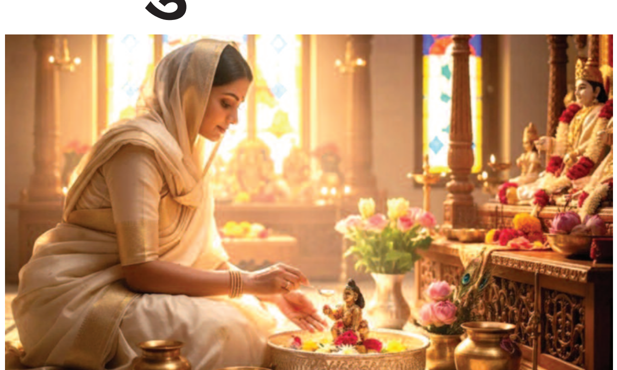

**यूनिक समय, मथुरा।** देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास का शुभारंभ हो गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं और चार माह बाद देवउठनी एकादशी पर जागते हैं। चूंकि लड्डू गोपाल भगवान श्रीकृष्ण का बाल स्वरूप हैं और श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं, इसलिए चातुर्मास के

### मौसम अनुसार सेवा का रखा जाता है विशेष ध्यान

### स्नान, भोग और शयन में बरतें सावधानी

दौरान उनकी सेवा–पूजा के नियमों में भी विशेष परिवर्तन किए जाते हैं। धर्माचार्यों के अनुसार इन चार महीनों में लड्डू गोपाल की सेवा छोटे बालक की तरह मौसम के अनुरूप करनी चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चातुर्मास में मौसम में नमी और उमस बढ़ जाती है। ऐसे में लड्डू गोपाल को अत्यधिक ठंडे पानी से स्नान कराने के बजाय सामान्य या हल्के गुनगुने जल से स्नान कराना शुभ माना गया है। स्नान के बाद उन्हें सूती, हल्के और स्वच्छ व स्त्र पहनाने चाहिए। मुकुट, बांसुरी, माला और अन्य श्रृंगार सामग्री भी साफ–सुथरी रखनी चाहिए। इस अवधि में श्रृंगार सादगीपूर्ण और सात्विक रखने की परंपरा है।

भोग में केवल सात्विक और घर में बने शुद्ध व्यंजन अर्पित करने का विधान बताया गया है। माखन–मिश्री, दूध, दही, खीर, पंचामृत और मौसमी फलों का भोग विशेष रूप से शुभ माना जाता है। तुलसी दल के बिना भगवान श्रीहरि और लड्डू गोपाल का भोग अधूरा माना जाता है, इसलिए प्रत्येक भोग में तुलसी अवश्य अर्पित करनी चाहिए। धर्मग्रंथों के अनुसार चातुर्मास में प्रतिदिन प्रातः और सायंकाल दीप, धूप, पुष्प और नैवेद्य के साथ विधिवत पूजा करनी चाहिए। "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जाप, विष्णु सहस्त्रनाम और श्रीमद्‌भागवत का पाठ विशेष फलदायी माना गया है।

दोपहर में भोग के बाद लड्डू गोपाल को विश्राम कराना तथा रात्रि में आरामदायक वस्त्र पहनाकर शयन कराना चाहिए। पूजा स्थल पर स्वच्छता और वायु का उचित संचार बनाए रखना भी आवश्यक माना गया है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि चातुर्मास में नियमपूर्वक की गई सेवा से भगवान श्रीकृष्ण प्रसन्न होकर परिवार पर सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

## सम्पादकीय

# स्मार्ट मीटर बना सरकार का नया कमाऊ पूत

दुकानों तक एक ही सवाल गूंज रहा है–इतनी बिजली जलाई ही नहीं, फिर बिल इतना आया कैसे?" स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई उपभोक्ता पहले की तुलना में अधिक बिजली बिल मिलने की शिकायत कर रहे हैं। यही वजह है कि व्यंग्य में लोग इसे सरकार का नया कमाऊ पूत कहने लगे हैं।

यूपी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) केंद्र सरकार की रीवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत प्रदेशभर में चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट मीटर लगा रहा है। योजना का उद्देश्य बिजली चोरी रोकना, मीटर रीडर की व्यवस्था समाप्त करना, रियल–टाइम बिजली खपत का आंकड़ा उपलब्ध कराना, गलत रीडिंग की शिकायत खत्म करना और बिलिंग में पारदर्शिता लाना है। उपभोक्ता मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी बिजली खपत भी देख सकते हैं। सरकार का दावा है कि इससे बिजली वितरण कंपनियों का तकनीकी और व्यावसायिक नुकसान भी कम होगा। लेकिन जमीनी तस्वीर कुछ और कहानी कह रही है।

पवन गौतम
संपादक

लखनऊ कानपुर, आगरा, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, मथुरा, अलीगढ़, बरेली और नोएडा समेत कई जिलों में उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल बढ़ने की शिकायतें दर्ज कराई हैं। सोशल मीडिया, जनसुनवाई पोर्टल और बिजली विभाग के शिकायत केंद्रों पर ऐसे मामलों की संख्या लगातार सामने आ रही है। कई उपभोक्ताओं का दावा है कि जहां पहले 1200 से 1800 रुपये तक मासिक बिल आता था, वहीं अब 3000 से 5000 रुपये तक के बिल मिलने लगे हैं।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

व्यंग्य की बात यह है कि पहले घर का कमाऊ बेटा नौकरी करता था, अब स्मार्ट मीटर हर महीने "कमाई" का नया रिकॉर्ड बना रहा है। लोग मजाक में कहते हैं कि यह मीटर बिजली कम और जेब की नब्ज़ ज्यादा पढ़ता है। महीने की पहली तारीख अब वेतन से कम और बिजली बिल से ज्यादा जुड़ गई है। हालांकि तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। ऊ्ज दुर्दे। विशेषज्ञों के अनुसार पुराने इलेक्ट्रो–मैकेनिकल मीटर कई बार वास्तविक खपत से कम रीडिंग दर्ज करते थे, जबकि स्मार्ट मीटर अधिक सटीक रीडिंग देते हैं। गर्मी में एसी, कूलर, गीजर और अन्य विद्युत उपकरणों के बढ़े उपयोग से भी बिजली बिल बढ़ सकता है। इसलिए हर बढ़े हुए बिल का कारण केवल स्मार्ट मीटर को नहीं माना जा सकता। फिर भी जब प्रदेश के अलग–अलग हिस्सों से एक जैसी शिकायतें सामने आ रही हों, तो सरकार और यूपीपीसीएल का दायित्व केवल सफाई देना नहीं, बल्कि भरोसा कायम करना भी है। विवादित बिलों का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट कराया जाए, मीटरों की जांच कराई जाए, जिला स्तर पर विशेष शिकायत निवारण शिविर लगाए जाएं और उपभोक्ताओं को उनकी वास्तविक खपत का पारदर्शी विवरण उपलब्ध कराया जाए। तकनीक तभी सफल होती है, जब वह सुविधा के साथ विश्वास भी दे।

## नजरिया

# संवाद और सहमति से ही मजबूत होगा लोकतंत्र

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने, सरकार से सवाल पूछने और नीतियों का विरोध करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। यही अधिकार लोकतंत्र को जीवंत और उत्तरदायी बनाता है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन हिंसा, अराजकता और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का माध्यम बन जाए, तब यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत माना जाता है। हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद क्षेत्र तक हुए घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमाएं क्या होनी चाहिए और संवाद की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है, जबकि संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। यदि इन दोनों के बीच टकराव, हिंसा और अव्यवस्था का वातावरण बनता है, तो यह केवल कानून–व्यवस्था का मामला नहीं रह जाता, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक छवि पर भी प्रभाव डालता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां मतभेदों का समाधान संविधान और संवाद के माध्यम से हो। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह लोकतंत्र की आधारशिला है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कुछ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। यदि प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाए, पुलिस से टकराव हो, यातायात बाधित किया जाए अथवा आम नागरिकों का जीवन प्रभावित हो, तो यह लोकतांत्रिक अधिकार की मर्यादा का उल्लंघन माना जाएगा।

लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य व्यवस्था को सुधारना होना चाहिए, न कि व्यवस्था को बाधित करना। जब आंदोलन हिंसक हो जाते हैं, तब उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है और पूरा ध्यान केवल अव्यवस्था तथा कानून–व्यवस्था की चुनौतियों पर केंद्रित हो जाता है। इससे आंदोलन की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है और समाज का व्यापक समर्थन भी कम होने लगता है।

हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं, भर्ती प्रक्रियाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अनेक मुद्दों पर युवाओं में असंतोष दिखाई दिया है। रोजगार, पारदर्शिता और अवसरों की समानता जैसे विषय उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन विषयों पर समय रहते समाधान नहीं निकाला जाए, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से आंदोलनों का रूप ले सकता है। सरकार की जिम्मेदारी केवल सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं हो सकती। उसे युवाओं के साथ नियमित संवाद स्थापित करना चाहिए, शिकायतों का त्वरित समाधान करना चाहिए और ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए जिससे पारदर्शिता और विश्वास बना रहे। लोकतंत्र में संवाद जितना मजबूत होगा, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण होती है। विपक्ष जनता की आवाज उठाता है, सरकार से जवाब मांगता है और नीतियों की समीक्षा करता है। वहीं सरकार प्रशासनिक निर्णयों के माध्यम से देश का संचालन करती है। दोनों के बीच स्वस्थ बहस लोकतंत्र की शक्ति है।

लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा टकराव, उग्रता और सड़क की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। संसद बहस और जवाबदेही का सर्वोच्च मंच है। इसलिए राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर संवाद और संसदीय प्रक्रिया को प्राथमिकता मिले। लोकतंत्र केवल विरोध का नाम नहीं, बल्कि समाधान खोजने की प्रक्रिया भी है।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि शांतिपूर्ण संघर्ष और नैतिक बल किसी भी सत्ता से अधिक प्रभावशाली हो सकते हैं। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से पूरी दुनिया को लोकतांत्रिक संघर्ष का नया मार्ग दिखाया। उनके आंदोलनों में अनुशासन और नैतिकता सर्वोच्च रही।

स्वतंत्र भारत में भी कई जनआंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से सफल हुए हैं। वर्ष 2011 का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन इसका उदाहरण माना जाता है, जिसमें लाखों लोगों की भागीदारी

रही, लेकिन उसकी सबसे बड़ी शक्ति शांति और अनुशासन था। इसके विपरीत जिन आंदोलनों ने हिंसा का रास्ता अपनाया, वे अपने मूल उद्देश्य से भटक गए और उनकी पहचान केवल टकराव तक सीमित होकर रह गई।

लोकतंत्र केवल जनता की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सरकार की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। किसी भी आंदोलन को केवल कानून–व्यवस्था का विषय मान लेना पर्याप्त नहीं होता। यदि समाज के किसी वर्ग में असंतोष है, तो उसके कारणों को समझना और समाधान की दिशा में पहल करना आवश्यक है। दूसरी ओर आंदोलनकारियों को भी यह समझना होगा कि हिंसा, तोड़फोड़ और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से किसी भी मांग की स्वीकार्यता नहीं बढ़ती। लोकतांत्रिक संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत उसका नैतिक आधार होता है। जब आंदोलन शांतिपूर्ण रहता है, तब उसे समाज का व्यापक समर्थन मिलता है और सरकार पर भी सकारात्मक दबाव बनता है। भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक नेतृत्व के साथ–साथ लोकतांत्रिक परिपक्वता भी इस लक्ष्य की अनिवार्य शर्त है। विकसित राष्ट्र वही कहलाता है जहां संस्थाएं मजबूत हों, कानून का सम्मान हो और मतभेदों का समाधान संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जाए। लोकतांत्रिक संस्कृति का अर्थ केवल चुनाव कराना नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करना है जहां विरोध का सम्मान हो, संवाद की परंपरा मजबूत हो और सभी पक्ष राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। सरकार, विपक्ष, नागरिक समाज और युवा–सभी की साझा जिम्मेदारी है कि लोकतंत्र को टकराव का नहीं, सहयोग का माध्यम बनाया जाए।

लोकतंत्र में किसी की स्थायी जीत या हार नहीं होती। यहां सबसे बड़ी जीत संवाद, सहमति और समाधान की होती है। सरकार को संवेदनशीलता और धैर्य के साथ जनता की बात सुननी चाहिए, विपक्ष को रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए और आंदोलनकारियों को संविधान तथा कानून की मर्यादा का पालन करना चाहिए।

आज आवश्यकता ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करने की है जिसमें मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों; विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो; संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। भारत की लोकतांत्रिक परंपरा इसी संतुलन पर आधारित रही है। यदि सभी पक्ष संवाद को टकराव से ऊपर रखेंगे, तो लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा तथा विकसित भारत का लक्ष्य भी अधिक सहजता से प्राप्त किया जा सकेगा।

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति भीड़ की संख्या में नहीं, बल्कि विचारों की गुणवत्ता, संवाद की गंभीरता और संवैधानिक मर्यादाओं के पालन में निहित होती है। यही वह मार्ग है जो भारत को एक सशक्त, उत्तरदायी और विश्वसनीय लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाता रहेगा।

## विचार विंडो

# साइबर ठगी का बढ़ता जाल, सतर्कता ही सबसे बड़ा कवच

राम प्रकाश शर्मा

भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग, ई–कॉमर्स और ऑनलाइन सरकारी सेवाओं ने आम नागरिक के जीवन को पहले की तुलना में कहीं अधिक सुविधाजनक बना दिया है। आज गांव से लेकर महानगर तक डिजिटल भुगतान सामान्य व्यवहार का हिस्सा बन चुका है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आती है। दुर्भाग्य से भारत में डिजिटल विकास की इस रफ्तार के साथ साइबर अपराध भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में साइबर ठगी के जरिए 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब अपराध का सबसे बड़ा मैदान सड़कों पर नहीं, बल्कि मोबाइल फोन और कंप्यूटर की स्क्रीन पर बन चुका है।

यह आंकड़ा केवल आर्थिक नुकसान नहीं दर्शाता, बल्कि करोड़ों नागरिकों के डिजिटल विश्वास पर भी गहरी चोट करता है। लाखों शिकायतें और हजारों एफआईआर यह साबित करती हैं कि साइबर अपराध अब छिटपुट घटनाएं नहीं, बल्कि संगठित और तकनीक आधारित अपराध उद्योग का रूप ले चुके हैं। अपराधी अब किसी एक शहर या राज्य तक सीमित नहीं हैं। वे दुनिया के किसी भी कोने से बैठकर भारत के किसी भी नागरिक को कुछ ही मिनटों में अपना शिकार बना सकते हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि साइबर ठग लगातार अपने तरीके बदल रहे हैं। पहले केवल फर्जी कॉल या ई–मेल से ठगी होती थी, लेकिन अब निवेश योजनाओं, डिजिटल गिरफ्तारी, केवाईसी अपडेट, नौकरी के झांसे, ऑनलाइन लोन, क्यूआर कोड, सोशल मीडिया हैकिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। अपराधी लोगों के लालच, भय, जल्दबाजी और विश्वास–चारों कमजोरियों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण कर उन्हें निशाना बनाते हैं। यही कारण है कि केवल कम पढ़े–लिखे लोग ही नहीं, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर, व्यापारी, सरकारी अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ भी साइबर ठगी का शिकार बन रहे हैं।

डिजिटल भारत के इस दौर में सबसे बड़ी चुनौती तकनीक नहीं, बल्कि डिजिटल सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। अधिकांश लोग अब भी ओटीपी साझा करने, अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध ऐप डाउनलोड करने या सोशल मीडिया पर निजी जानकारी सार्वजनिक करने के जोखिम को गंभीरता से नहीं लेते। कई

लोग जल्दी मुनाफे के लालच में फर्जी निवेश योजनाओं में पैसा लगा देते हैं, जबकि कुछ लोग पुलिस या सीबीआई के नाम पर आने वाली फर्जी वीडियो कॉल से डरकर अपनी जीवनभर की कमाई गंवा बैठते हैं। यह स्थिति बताती है कि साइबर अपराध केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और व्यवहारिक चुनौती भी बन चुका है।

सरकार द्वारा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, साइबर हेल्पलाइन 1930 और विभिन्न जांच एजेंसियों के माध्यम से त्वरित कार्रवाई की जा रही है। हजारों करोड़ रुपये की राशि समय रहते बचाई भी गई है, जो सकारात्मक उपलब्धि लेकिन केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यकता अपराध होने से पहले उसे रोकने की है। इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली, संदिग्ध बैंक खातों की तत्काल पहचान, फर्जी सिम कार्ड पर कठोर नियंत्रण और डिजिटल लेन–देन की रियल टाइम मॉनिटरिंग को और मजबूत बनाना होगा।

इस लड़ाई में केवल पुलिस या साइबर सेल की भूमिका पर्याप्त नहीं है। बैंक, दूरसंचार कंपनियां, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, फिनटेक कंपनियां और तकनीकी संस्थानों के बीच वास्तविक समय में समन्वय स्थापित करना होगा। यदि किसी संदिग्ध खाते में अचानक बड़ी राशि जमा होती है या किसी मोबाइल नंबर से हजारों लोगों को फर्जी संदेश भेजे जा रहे हैं, तो ऐसी गतिविधियों को तत्काल चिन्हित कर रोकने की व्यवस्था विकसित करनी होगी। तकनीक का मुकाबला केवल बेहतर तकनीक से ही किया जा सकता है।

साथ ही, साइबर सुरक्षा को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता है। जैसे सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य मानी जाती है, उसी प्रकार डिजिटल दुनिया में भी कुछ आदतों को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। ओटीपी, पासवर्ड और बैंकिंग जानकारी कभी साझा न करना, अनजान लिंक से दूरी रखना, मोबाइल में केवल आधिकारिक ऐप इंस्टॉल करना और किसी भी संदिग्ध कॉल की तुरंत शिकायत करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था में भी साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और प्रशिक्षण संस्थानों में डिजिटल सुरक्षा की व्यवहारिक शिक्षा अनिवार्य की जाए, ताकि नई पीढ़ी तकनीक के साथ सुरक्षित डिजिटल व्यवहार भी सीख सके। ग्रामीण क्षेत्रों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाना समय की मांग है, क्योंकि यही वर्ग अक्सर साइबर अपराधियों का आसान निशाना बनता है।

डिजिटल भारत का सपना तभी सफल होगा, जब नागरिक तकनीक का उपयोग आत्मविश्वास के साथ और सुरक्षा के प्रति सजग रहकर करेंगे। साइबर अपराधियों की चालाकी से कहीं अधिक जरूरी नागरिकों की सतर्कता है।

सरकार, संस्थानों और समाज को मिलकर ऐसी डिजिटल सुरक्षा संस्कृति विकसित करनी होगी, जहां सुविधा और सुरक्षा साथ–साथ चलें।

याद रखना होगा कि डिजिटल दुनिया में सबसे मजबूत पासवर्ड केवल तकनीक नहीं, बल्कि जागरूकता और सतर्कता है। यही साइबर ठगी के बढ़ते खतरे से बचाव का सबसे प्रभावी कवच सिद्ध होगा।

### भारत के पास सीरीज जीतने का भी सुनहरा मौका

# सिर्फ टॉस जीतते ही इतिहास रच देंगे कप्तान श्रेयस अय्यर

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा।

इस मैच में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर के पास ऐसा रिकॉर्ड बनाने का मौका है, जो पिछले 88 वर्षों से कायम है। यदि अय्यर इस मुकाबले में टॉस जीतने में सफल रहते हैं तो वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार आठ टॉस जीतने वाले पहले कप्तान बन जाएंगे और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉली हेमंड का ऐतिहासिक रिकॉर्ड पीछे छोड़ देंगे।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी की शुरुआत भले ही उम्मीद के मुताबिक नहीं रही हो, लेकिन टॉस के मामले में उनकी किस्मत लगातार साथ दे रही है। उन्होंने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार सात मुकाबलों में टॉस जीता था।

जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 में भी सिक्का उनके पक्ष में गिरा और वह वॉली हेमंड के लगातार सात टॉस जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी पर पहुंच गए। अब दूसरे मुकाबले में टॉस जीतते ही अय्यर क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिख सकते हैं।

रिकॉर्ड के साथ-साथ टीम इंडिया के लिए यह मुकाबला सीरीज के लिहाज से भी बेहद अहम है। भारत ने पहला टी20 सात विकेट से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। ऐसे में दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज करते ही भारतीय टीम सीरीज अपने नाम कर लेगी। यह श्रेयस अय्यर की अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में पहली टी20 सीरीज जीत भी होगी।

अय्यर की कप्तानी में शुरुआती

### 88 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड टूटने की दहलीज पर

दौर चुनौतीपूर्ण रहा था। लगातार हार के कारण टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा और भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी गंवा बैठा।

हालांकि अब उनके पास प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब देने का शानदार अवसर है। यदि भारत दूसरा मुकाबला जीतता है तो न सिर्फ सीरीज पर कब्जा करेगा, बल्कि आईसीसी टी20 रैंकिंग में फिर से नंबर एक स्थान हासिल करने की उम्मीद भी मजबूत हो जाएगी। ऐसे में हरारे में होने वाला यह मुकाबला श्रेयस अय्यर और टीम इंडिया दोनों के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकता है।

# 'भोजपुरी बवाल' में आम्रपाली-काजल आमने-सामने

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भोजपुरी सिनेमा का पहला रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' प्रसारण से पहले ही जबरदस्त चर्चा में आ गया है। शो के नए प्रोमो में भोजपुरी की दो चर्चित अभिनेत्रियां आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाती नजर आ रही हैं। दोनों के बीच हुई तीखी नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद फैंस भी अपनी-अपनी पसंदीदा अभिनेत्री के समर्थन में उतर आए हैं।

जियो हॉटस्टार पर जारी प्रोमो में काजल राघवानी, आम्रपाली दुबे पर उनसे असुरक्षित महसूस करने का आरोप लगाती हैं। इस दौरान वह 'इनसिक्योर' शब्द की जगह दूसरा उच्चारण करती हैं, जिस पर आम्रपाली उन्हें बीच में टोकते हुए सही शब्द बोलने की सलाह देती हैं। इसके बाद

बहस और तेज हो जाती है। आम्रपाली दावा करती हैं कि कई अवॉर्ड शो में उन्हें बताया गया कि कुछ सम्मान पहले काजल के लिए तय थे, जबकि काजल पलटवार करते हुए कहती हैं कि जहां भी उन्हें काम मिलता है, वहां आम्रपाली पहुंच जाती हैं। इस पर आम्रपाली उनसे आरोपों के सबूत पेश करने की बात कहती हैं।

प्रोमो सामने आने के बाद विवाद सोशल मीडिया तक पहुंच गया। काजल राघवानी ने अपने इंस्टाग्राम पर गूगल सर्च का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि उन्हें गलत साबित करने से पहले गूगल को ठीक कर लिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सीखने के लिए पूरी जिंदगी पड़ी है और यदि कोई गलती है तो उसे बताना चाहिए।

दूसरी ओर आम्रपाली दुबे ने भी जवाबी पोस्ट करते हुए अलग-अलग शब्दों के अर्थ का स्क्रीनशॉट साझा किया और लिखा कि किसी पर आरोप लगाने से पहले सही संदर्भ और व्याकरण का इस्तेमाल करना जरूरी है। दोनों अभिनेत्रियों की पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बहस और तेज हो गई है।

भोजपुरी बवाल' में पवन सिंह, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', तेज प्रताप यादव समेत भोजपुरी जगत के कई बड़े सितारे नजर आने वाले हैं। प्रोमो के बाद दर्शकों में शो को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि शो में यह टकराव केवल मनोरंजन का हिस्सा है या फिर दोनों अभिनेत्रियों के बीच की वास्तविक नाराजगी।

### सब्जी बेचने वाले झंडू ने रचा इतिहास

# पोलियो, गरीबी और मेहनत पर भारी पड़ा जज्बा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का पदक खाता बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने खोला। 28 वर्षीय झंडू ने पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में 190 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीतते हुए देश को पहला मेडल दिलाया। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उनका यहां तक का सफर संघर्षों से भरा रहा। महज पांच साल की उम्र में पोलियो की चपेट में आने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और घर का खर्च हरनौत बाजार में सब्जी बेचकर चलता था। कोरोना महामारी के दौरान जब सब्जी की दुकान बंद हो गई तो परिवार का सहारा बनने के लिए उन्होंने ई-रिक्शा चलाया, लेकिन खेल

से कभी दूरी नहीं बनाई। सुबह बिहार शरीफ से सब्जियां खरीदकर बाजार में बेचते और शाम को घंटों जिम में अभ्यास करते थे। वर्ष 2023 में राष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपना ई-रिक्शा तक बेच दिया। इसी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कोच राजिंदर सिंह राहेलू की नजर उनकी प्रतिभा पर पड़ी और उन्हें गांधीनगर स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रशिक्षण का मौका मिला। इसके बाद झंडू ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने खेलो इंडिया पैरा गेम्स में रजत पदक जीता और राष्ट्रीय व

### बिहार के लाल ने ग्लासगो में जीता कांस्य

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया। ग्लासगो में उन्होंने अंतिम प्रयास में 196 किलोग्राम वजन उठाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। हालांकि 190 किलोग्राम के साथ कांस्य पदक जीतकर उन्होंने न केवल भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का पहला पदक दिलाया, बल्कि आठ साल बाद बिहार के लिए भी कॉमनवेल्थ स्तर पर गौरव का नया अध्याय लिख दिया। झंडू कुमार की यह सफलता साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और अटूट हौसले के सामने गरीबी, बीमारी और कठिन परिस्थितियां भी हार मान लेती हैं।

# स्वाइन फ्लू की चपेट में शबाना आजमी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी स्वाइन फ्लू (एच1एन1) से संक्रमित हो गई हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर बताया कि उनकी एच1एन1 रिपोर्ट पॉजिटिव आई है और डॉक्टरों ने उन्हें अगले पांच दिनों तक आइसोलेशन में रहने की सलाह दी है।

इस खबर के सामने आते ही उनके प्रशंसकों ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। शबाना आजमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वह मुंबई में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाली थीं, लेकिन स्वाइन फ्लू होने के कारण अब इसमें शामिल नहीं हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि भले ही वह शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनका समर्थन प्रदर्शन में शामिल लोगों के साथ है। अभिनेत्री ने लिखा कि उन्हें युवाओं से लगातार जानकारी मिल रही है और पहली बार आंदोलन का हिस्सा बने कई युवाओं का उत्साह उन्हें प्रेरित कर रहा है।

अपने संदेश के साथ शबाना आजमी ने अपने दिवंगत पिता और प्रसिद्ध शायर कैफी आजमी की कविता 'नौजवान' भी साझा की। उन्होंने कहा कि युवाओं का साहस और संकल्प उन्हें लगातार प्रेरित करता है और वह हर कदम पर उनके साथ खड़ी हैं।

### एच1एन1 पॉजिटिव आने पर 5 दिन आइसोलेशन में रहेंगी अभिनेत्री

वर्क फ्रंट की बात करें तो शबाना आजमी हाल ही में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' में नजर आई थीं।

अब वह निर्देशक राजकुमार संतोषी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' में अहम भूमिका निभाती दिखाई देंगी। फिल्म में उनके साथ सनी देओल, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिलहाल अभिनेत्री स्वास्थ्य लाभ के लिए डॉक्टरों की निगरानी में हैं और प्रशंसक उनके जल्द स्वस्थ होकर पर्दे पर लौटने का इंतजार कर रहे हैं।

### 'द इंडिया स्टोरी' की सुस्त शुरुआत

# काजल और श्रेयस की फिल्म को समीक्षकों की सराहना

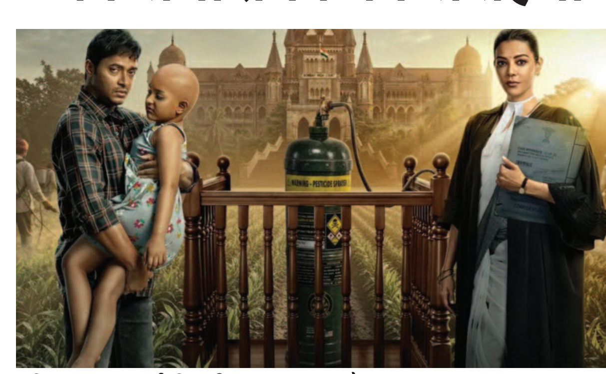

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े स्टारर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' ने सिनेमाघरों में रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक शुरुआत नहीं की। चर्चित विषय और मजबूत कलाकारों के बावजूद फिल्म दर्शकों को थिएटर तक खींचने में सफल नहीं दिखी। पहले दिन फिल्म ने भारत में महज 16 लाख रुपये का नेट कलेक्शन किया, जिससे इसकी ओपनिंग फीकी रही। अब फिल्म की नजरें वीकेंड पर टिकी हैं, जहां कारोबार में उछाल की उम्मीद जताई जा रही है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार फिल्म का भारत में ग्रॉस कलेक्शन करीब 18 लाख रुपये रहा, जबकि दुनियाभर का ग्रॉस कलेक्शन भी लगभग इतना ही दर्ज किया गया। पहले दिन विदेशी बाजार से फिल्म को कोई खास कमाई नहीं मिली। ऐसे में फिल्म की आगे की सफलता अब दर्शकों की प्रतिक्रिया और सप्ताहांत की कमाई पर निर्भर करेगी।

'द इंडिया स्टोरी: स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। फिल्म में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े के अलावा मुरली शर्मा, मनीष वाधवा, त्रिशा सारडा, अतुल तिवारी, कमलेश सावंत और शाम मशालकर अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सामाजिक मुद्दे पर आधारित इस फिल्म को समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और इसकी कहानी की भी सराहना हो रही है। जनवरी 2025 में पुणे से शुरू हुई फिल्म की शूटिंग उसी वर्ष पूरी हुई थी। कुछ हिस्सों की शूटिंग कोल्हापुर में भी की गई। 24 जुलाई 2026 को यह फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज हुई। अब देखना दिलचस्प होगा कि सकारात्मक समीक्षाएं फिल्म की बॉक्स ऑफिस रफ्तार को कितना बढ़ा पाती हैं।

# धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की खबर मिलते ही झूम उठे हजारों छात्र

## प्रयागराज, लखनऊ वाराणसी में खुशी की लहर

## प्रदर्शन के दौरान कई जगह हुई तोड़फोड़

## मिठाइयां बांटी, तिरंगा लहराकर जताई खुशी

**यूनिक समय, लखनऊ।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर के बाद शनिवार को उत्तर प्रदेश के कई शहरों में छात्रों के बीच जश्न का माहौल देखने को मिला। प्रयागराज, लखनऊ वाराणसी, कानपुर और अन्य जिलों में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं सड़कों पर उतरे और एक–दूसरे को मिठाई तथा टॉफियां खिलाकर खुशी जताई। प्रयागराज में कई छात्र बिजली के पोल और बैरिकेडिंग पर चढ़ गए तथा तिरंगा लहराते हुए नारे लगाए। कुछ स्थानों पर छात्र बारिश के बीच भी डटे रहे और प्रदर्शन जारी रखा।

लखनऊ के इको गार्डन में प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने इस्तीफे की सूचना मिलते ही जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी पोस्टर और बैनर हटाकर एक–दूसरे को मेलोडी टॉफी खिलाते नजर आए। वाराणसी में भी छात्रों ने अबीर–गुलाल लगाकर खुशी व्यक्त की और इसे युवाओं की जीत बताया। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र–छात्राओं ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई और नारे लगाए।

इससे पहले सुबह विभिन्न शहरों में छात्रों ने परीक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रयागराज में भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र सड़क पर उतरे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने संविधान की प्रतियां हाथों में लेकर मार्च निकाला। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान कुछ स्थानों पर स्थिति तनावपूर्ण भी हुई। प्रयागराज में एक वाहन को क्षति पहुंचाने और दूसरे वाहन के शीशे तोड़ने की घटनाएं सामने आईं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की थी।

कई छात्र नेताओं और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने इसे छात्रों की आवाज की जीत बताया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि युवाओं से जुड़े मुद्दों पर उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने की।

# नीट के दोषियों की संपत्तियां भी होंगी जब्त: योगी

## संसद में पेपर लीक पर आएगा बिल

## जनसभा में विपक्ष पर बरसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

**यूनिक समय, फतेहपुर ।** फतेहपुर के मदारीपुर कला में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले फतेहपुर आकांक्षी जिलों में शामिल था, लेकिन पिछले नौ वर्षों में जिले ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले रोजगार, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में जिला पिछड़ा था, जबकि अब शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली और निवेश के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गांव–गांव तक विकास पहुंचाने का काम किया है। मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, पुल, सड़क, कंपोजिट विद्यालय और अन्य विकास योजनाओं के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने दावा किया कि अब सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता के साथ चयन हो रहा है और युवाओं को बिना भेदभाव अवसर दिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नीट परीक्षा जैसी घटनाओं में शामिल दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की संपत्तियां भी जब्त की जाएंगी। साथ ही पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए संसद में नया विधेयक लाया जाएगा। उनका कहना था कि सरकार नकल माफिया और भर्ती घोटालों में शामिल लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार और पक्षपात होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और माफिया तथा अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने दोहराया कि अपराध और भ्रष्टाचार के लिए उत्तर प्रदेश में कोई स्थान नहीं है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया और नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों से युवाओं को नई पहचान और बेहतर अवसर मिले हैं। उन्होंने जनता से विकास की गति बनाए रखने के लिए सरकार का सहयोग करने की अपील भी की।

# नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने घेरा मायावती का आवास

## पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

## भर्ती प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

**यूनिक समय, लखनऊ ।** 69 हजार शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर शनिवार को लगातार दूसरे दिन अभ्यर्थियों ने लखनऊ में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती के आवास पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान सभी अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन के समय पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का–मुक्की और नोकझोंक भी हुई।

प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि सरकार ने शिक्षक भर्ती मामले में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष सही पक्ष प्रस्तुत नहीं किया। उनका कहना है कि सरकार द्वारा दाखिल हलफनामे में कई ऐसे अभ्यर्थियों के नाम शामिल हैं जो पहले ही भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने 6,800 विवादित सीटों पर पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग दोहराई। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

## सीएम दौरे से पहले आगरा में सपाइयों का हंगामा

**यूनिक समय, आगरा।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगरा दौरे से पहले शनिवार को समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने उनके घरों में नजरबंद कर दिया। जंतर–मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए निकल रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच धक्का–मुक्की हुई। कमला नगर और दयालबाग क्षेत्र में सपा नेताओं के आवासों पर सुबह से ही पुलिस बल तैनात रहा। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग हटाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जबकि पुलिस उन्हें रोकने में जुटी रही। कुछ कार्यकर्ताओं ने दूसरे रास्ते से निकलने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखते हुए अन्य सपा नेताओं को भी नजरबंद कर दिया।

# जौहर विश्वविद्यालय बचाने पहुंचे समाजवादी पार्टी के सांसद और प्रतिनिधिमंडल

## धरनारत छात्रों को नेताओं ने दिया समर्थन

## ध्वस्तीकरण आदेश वापस लेने की उठी मांग

**यूनिक समय, रामपुर।** रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के आदेश के विरोध में समाजवादी पार्टी ने आंदोलन तेज कर दिया है। शनिवार को पार्टी के सांसदों और पूर्व सांसदों का प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय पहुंचा और मुख्य द्वार पर धरने पर बैठे छात्र–छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें समर्थन का भरोसा दिया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विश्वविद्यालय को बचाने के लिए पार्टी हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर गठित प्रतिनिधिमंडल में सांसद इकरा हसन, रुचि वीरा, जियाउर्रहमान बर्क सहित कई नेता शामिल रहे। नेताओं ने छात्रों से बातचीत कर उनकी मांगों को सुना और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सांसद रुचि वीरा ने कहा कि जौहर विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर है और इसे किसी भी कीमत पर गिरने नहीं दिया जाएगा। जिया उर्रहमान बर्क ने कहा कि इस मुद्दे को संसद में भी उठाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो न्यायालय का भी रुख किया जाएगा। सपा का कहना है कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से हजारों विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित होगी। पार्टी जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई पर रोक लगाने और पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा की मांग करेगी।

# धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफे पर विपक्ष ने युवाओं को सराहा

## अखिलेश बोले युवाओं की बड़ी लोकतांत्रिक जीत

## कांग्रेस और सहयोगी दलों ने दी प्रतिक्रिया

**यूनिक समय, लखनऊ ।** नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे युवाओं की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि नई पीढ़ी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और उसकी आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि युवाओं के लगातार संघर्ष का असर पूरे देश ने देखा और उनकी मांगों को गंभीरता से लेना पड़ा।

अखिलेश यादव ने कहा कि यह फैसला पहले ही हो जाना चाहिए था। उनका कहना था कि आज की नई पीढ़ी सवाल पूछती है और अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करना जानती है। उन्होंने युवाओं की जागरूकता और भागीदारी की सराहना की।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह देश के लाखों मेहनती छात्रों की जीत है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले सभी दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। वहीं अपना दल (कमेरावादी) की नेता पल्लवी पटेल ने भी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि युवाओं ने अपने संघर्ष से बड़ा संदेश दिया है। सपा नेता इरफान सोलंकी और विधायक नसीम सोलंकी ने भी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने की सराहना की।

# धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, जंतर-मंतर पर छात्रों का जश्न

## छात्रों ने लगाए एकता के जोरदार नारे

## शहीद छात्रों को दी गई मौन श्रद्धांजलि

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रदर्शनकारियों ने एक-दूसरे का अभिवादन करते हुए छात्र एकता के समर्थन में जोरदार नारे लगाए। कार्यक्रम की शुरुआत नीट पेपर लीक विवाद के बाद जान गंवाने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट के मौन से हुई। आंदोलनकारियों ने कहा कि यह संघर्ष केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का अभियान है।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि मंत्री का इस्तीफा जनता की एकजुटता और लोकतांत्रिक आंदोलन की ताकत का परिणाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन की अन्य मांगें अभी भी बरकरार हैं। इनमें पेपर लीक प्रकरण से प्रभावित छात्रों को न्याय, आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता तथा परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार शामिल हैं। उनका कहना था कि सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। दिनभर जंतर-मंतर और आसपास के क्षेत्रों में तनावपूर्ण स्थिति भी बनी रही। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प की खबरें सामने आईं। पुलिस ने बैरिकेडिंग, लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जबकि कुछ प्रदर्शनकारियों पर पथराव और तोड़फोड़ के आरोप भी लगे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है और सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस के अनुसार, फर्जी खबरें फैलाने वाले कई सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

इस बीच, देश के अन्य राज्यों में भी छात्र प्रदर्शन जारी हैं। जांच एजेंसियां पेपर लीक मामले की जांच आगे बढ़ा रही हैं और सरकार परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाने के लिए नए सुधारों पर काम कर रही है। आंदोलनकारी अब सरकार से अपनी शेष मांगों पर शीघ्र निर्णय की उम्मीद कर रहे हैं।

## नीट विवाद के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नीट-यूजी 2026 परीक्षा में पेपर लीक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जंतर-मंतर पर पिछले 36 दिनों से चल रहे छात्र आंदोलन की प्रमुख मांगों में उनका इस्तीफा शामिल था। आंदोलनकारी लगातार शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय करने और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग कर रहे थे। धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर अपना इस्तीफा पत्र साझा करते हुए पद छोड़ने की जानकारी दी।

### छात्र आंदोलन के दबाव में मंत्री ने इस्तीफा दिया

### सरकार ने परीक्षा सुधारों पर कार्रवाई तेज की

## जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों ने किया पथराव, कई पुलिसकर्मी घायल

दिल्ली के जंतर-मंतर के पास शनिवार दोपहर 1:30 बजे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी दागे गए। इस झड़प में कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबर है।

## झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए: दीपके

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा, क्या कहते हैं थे। इस सरकार में इस्तीफा नहीं होते। हमने ले लिया। झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। इस्तीफा हो गया है, लेकिन हमारी 2 और मांगें हैं। ऐसे ही नहीं जाएंगे। कॉकरोच हैं, एक बार घुसता है तो निकलता नहीं है। इस्तीफा हो गया है। जिन बच्चों ने सुसाइड किया उनके परिवार को एक करोड़ मुआवजा मिले।

## प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़े, कई प्रदर्शनकारी को चोटें आईं

जंतर-मंतर पर पुलिस से झड़प के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए। पुलिस के इस लाठीचार्ज में कई प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है।

## फेक न्यूज फैलाने वाले 400 से ज्यादा अकाउंट बंद किए गए

पुलिस ने कहा कि फेक न्यूज फैलाने वाले 400 से ज्यादा अकाउंट बंद किए गए। फेक न्यूज फैलाने वाले 400 से ज्यादा अकाउंट्स को ब्लॉक किया गया है। ऐसे ही अकाउंट 'ऑपरेशन सिंदूर' के वक्त भी एक्टिव हुए थे।

### नीट पेपर लीक के विरोध में छपरा में हिंसक प्रदर्शन

## उग्र भीड़ ने पुलिस वाहन को लगाई आग

### स्थिति संभालने पहुंचे डीएम और एसपी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बिहार में नीट पेपर लीक मामले को लेकर बुलाए गए राज्यव्यापी बंद के दौरान सारण जिले के छपरा शहर में शनिवार को प्रदर्शन हिंसक हो गया। नगरपालिका चौक, साहेबगंज, थाना चौक, डाक बंगला रोड, सदर अस्पताल चौक, दारोगा राय चौक, भरत मिलाप चौक और भगवान बाजार रोड पर छात्रों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके जवाब में पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसी दौरान उग्र भीड़ ने पुलिस के एक वाहन में आग लगा दी, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद कई दुकानदारों ने एहतियातन अपनी दुकानें बंद कर दीं।

सूचना मिलते ही जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। सदर एसडीपीओ राम पुकार सिंह ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने की अपील की। पुलिस कार्रवाई के बाद कुछ समय के लिए भीड़ तितर-बितर हुई, हालांकि बाद में अन्य इलाकों में विरोध प्रदर्शन जारी रहने की सूचना मिली। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

## मुंबई में कचरा फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई में सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और खुले क्षेत्रों में कचरा तथा प्लास्टिक फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अदालत ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) से कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर ऐसे लोगों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे भी दर्ज किए जाएं। न्यायालय ने कहा कि नागरिकों की लापरवाही से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है और नगर निगम पर अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने नालों में कचरा फेंकने और उसके समुद्र तक पहुंचने पर भी चिंता जताई। हाईकोर्ट ने सभी वार्ड अधिकारियों को नालों को ढकने और उन्हें कचरा स्थल बनने से रोकने के निर्देश दिए। साथ ही वार्ड स्तर पर स्वच्छता की व्यापक कार्ययोजना तैयार करने, शिकायतों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था विकसित करने और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

## असम में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने पाकिस्तान स्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई धुबरी, चिरांग और बारपेटा जिलों में स्थानीय पुलिस के सहयोग से की गई। प्रत्येक जिले से एक-एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।

अभियान के दौरान पुलिस ने पांच मोबाइल फोन, सात सिम कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, डेबिट कार्ड और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, बरामद सामग्री की जांच की जा रही है और पूरे नेटवर्क की कड़ियों को खंगाला जा रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को अपने प्रभाव में लेने और संदिग्ध गतिविधियों के लिए जोड़ने का प्रयास कर रहा था इससे पहले दिल्ली, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में भी इसी नेटवर्क से जुड़े कई संदिग्धों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सुरक्षा एजेंसियां विभिन्न राज्यों में इसके संभावित संपर्कों की जांच कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और आवश्यकतानुसार आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

## किसान समर्थन से छात्र आंदोलन को मिली नई मजबूती

### 27 जुलाई को दिल्ली मार्च की किसानों ने की घोषणा

### विभिन्न संगठनों का आंदोलन को लगातार मिलता रहा समर्थन

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर पर जारी छात्र आंदोलन को अब भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) का खुला समर्थन मिल गया है। संगठन ने घोषणा की है कि 27 जुलाई को पंजाब से किसान दिल्ली पहुंचकर प्रदर्शन में शामिल होंगे। किसान नेताओं का कहना है कि छात्रों के साथ हुई पुलिस कार्रवाई से पंजाब के किसानों में नाराजगी है और इसी वजह से उन्होंने आंदोलन के समर्थन का फैसला लिया है।

संगठन ने स्पष्ट किया कि जब तक छात्रों की मांगों पर संतोषजनक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक किसान उनके साथ खड़े रहेंगे।

इस बीच, छात्र आंदोलन को विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों का समर्थन भी लगातार मिल रहा है। सीजेपी ने किसान संगठन के इस फैसले का स्वागत किया। संगठन के प्रवक्ता सौरभ दास ने सोशल मीडिया मंच पर प्रतिक्रिया देते हुए आंदोलन को और मजबूती मिलने की बात कही। वहीं, मुस्लिम नेताओं और धर्मगुरुओं की बैठक में भी छात्रों के समर्थन की आवाज उठी। बैठक में वक्ताओं ने शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें रखने पर जोर दिया। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी कहा कि उनकी पार्टी छात्रों की मांगों के समर्थन में पहले की तरह खड़ी है और सरकार से सकारात्मक निर्णय की अपेक्षा करती है। सरकार और प्रतिनिधिमंडल के बीच प्रस्तावित वार्ता को लेकर भी चर्चा जारी है, हालांकि बैठक के स्थान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

## नई पीढ़ी संवाद चाहती है आदेश नहीं : भागवत

### युवाओं को समय और तर्क देना जरूरी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज की नई पीढ़ी केवल आदेश मानने वाली नहीं है, बल्कि हर बात पर प्रश्न पूछती है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में युवाओं को हर विषय का तर्क समझाना और उनके साथ निरंतर संवाद बनाए रखना आवश्यक है। उनका कहना था कि पहले परिवारों में बिना सवाल किए बड़ों की बात मान ली जाती थी, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं।

'युगानुकूल मातृत्व' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि युवाओं को अपनापन, समय और सकारात्मक मार्गदर्शन की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज डिक्टेशन नहीं, बल्कि डिस्कशन का समय है। परिवारों में संवाद कम होने से पीढ़ियों के बीच दूरी बढ़ रही है। भागवत ने यह भी कहा कि नई पीढ़ी भटकी हुई नहीं है, बल्कि उसे अच्छे और प्रामाणिक आदर्शों की जरूरत है। यदि समाज सही उदाहरण प्रस्तुत करेगा तो युवा समाज और राष्ट्रहित में अपना योगदान देने के लिए आगे आएंगे। उन्होंने परिवारों से युवाओं की बात सुनने और विश्वास का वातावरण बनाने की अपील की।

# उम्र छोटी–जिम्मेदारियां बड़ी, परिक्रमा मार्ग पर रोजी–रोटी में जुटीं बालिकाएं

**यूनिक समय, वृंदावन।** ठाकुर बांके बिहारी की नगरी के परिक्रमा मार्ग पर एक ओर श्रद्धालुओं की आस्था दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कुछ ऐसे दृश्य भी नजर आते हैं जो समाज को सोचने पर मजबूर कर देते हैं। यहां छोटी–छोटी बालिकाएं पढ़ाई और खेलकूद की उम्र में परिवार की आजीविका का सहारा बनकर हरा चारा और ठाकुरजी के मुकुट बेचती दिखाई देती हैं।

परिक्रमा के दौरान एक बालिका श्रद्धालुओं को गायों के लिए हरा चारा बेच रही थी। उसने चारे की एक प्लेट की कीमत 50 और 100 रुपये बताई। कैमरा देखते ही उसने संकोचवश अपना चेहरा दूसरी ओर फेर लिया। आसपास कई महिलाएं भी चारा बेचती नजर आईं। वृंदावन आने वाले श्रद्धालु गायों को हरा चारा खिलाना पुण्य का कार्य मानते हैं, जिससे इस कारोबार से कई परिवारों की रोजी–रोटी चलती है।

इसी मार्ग पर एक अन्य बालिका ठाकुरजी के मुकुट बेचती मिली। उसने बताया कि एक मुकुट की कीमत 20 रुपये है। कुछ देर बाद उसकी बहन भी वहां आकर बैठ गई। दोनों बहनें छोटी उम्र में ही व्यापार की जिम्मेदारी निभाती नजर आईं।

यह दृश्य बाल श्रम, शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गंभीर सवाल खड़े करता है। बच्चों का स्थान स्कूल और खेल के मैदान में होना चाहिए, लेकिन आर्थिक मजबूरियां उन्हें कम उम्र में ही काम करने के लिए विवश कर रही हैं। ऐसे बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा और परिवारों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में संबंधित विभागों और सामाजिक संगठनों को प्रभावी पहल करने की आवश्यकता है।

# छात्रों के समर्थन में गूंजता रहा कलेक्ट्रेट परिसर

### आजाद समाज पार्टी कांशीराम ने दिखाई ताकत छात्रों का समर्थन

### कांग्रेस ने भी छात्रों की मांगों को बताया जायज, दिया गया ज्ञापन

जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में डिप्टी कलेक्टर राघवेंद्र शर्मा को ज्ञापन देते आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर जंतर- मंतर पर आंदोलन कर रह छात्रों के समर्थन में हुई नारेबाजी से गूंजता रहा। छात्रों की मांगों को समर्थन देने के लिए आजाद समाज पार्टी कांशीराम और कांग्रेस ने प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपे। छात्रों पर किए गए अत्याचार की निंदा करते हुए पुलिसिया अत्याचार की निंदा करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। दोपहर को आजाद समाज पार्टी कांशीराम के कार्यकर्ता और पदाधिकारी जिलाध्यक्ष संघरतन सेठी के नेतृत्व में भारी संख्या में हाथों में तख्तियां लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उच्च शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर राघवेंद्र शर्मा को सौंपा गया। ज्ञापन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, आंदोलन में जान गंवाने वाले प्रत्येक छात्र के परिजन को एक करोड़ रुपये आर्थिक सहायता, संसद में पेपर लीक और पुलिस कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा कराने, छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने, शिक्षा माफिया और पेपर लीक गिरोह पर कठोर-समयबद्ध कार्रवाई करने की मांग की गई है। इसके अलावा शिक्षा- भर्ती में सुधार को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग रखी गई है। इस दौरान जिला महामंत्री योगेश समेत तमाम पदाधिकारी- कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वहीं, कांग्रेस पार्टी ने भी छात्रों के समर्थन में डिप्टी कलेक्टर राघवेंद्र शर्मा को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल पद से हटाने और खराब आचरण करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने, छात्रों पर किए गए लाठीजार्च की जांच सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से कराने, पेपर लीक की घटनाओं से मृत छात्रों के परिजनों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने, पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ आजीवन सजा की कार्रवाई करने और छात्रों पर दर्ज किए गए सभी मुकदमे वापस लेने की मांग की गई है। इस दौरान महेंद्र चौबे, गिरिज सिंह, मंगल सिंह, मुकेश, बनवारी आदि मौजूद रहे।

# गुरु पूर्णिमा को लेकर जंक्शन पर श्रद्धालुओं की सुविधा को पुख्ता इंतजाम

सहायता केंद्र पर खड़े आरपीएफ के जवान, यात्रियों को जानकारी देते हुए कर्मचारी।

### 14 अतिरिक्त टिकट काउंटर छह मेला स्पेशल ट्रेनें, हेल्प डेस्क और हर समय निगरानी से मिलेगी राहत

**यूनिक समय, मथुरा।** गुरु पूर्णिमा मेला में मथुरा और गोवर्धन आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए रेलवे ने मथुरा जंक्शन पर विशेष व्यवस्थाएं की हैं। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के निर्देशन में पूरे मेले के दौरान स्टेशन पर हर समय निगरानी रखी जा रही है, ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो। यात्रियों को आसानी से टिकट मिल सके, इसके लिए 14 अतिरिक्त टिकट और आरक्षण काउंटर खोले गए हैं। साथ ही नौ ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) और 22 टिकटिंग फैसिलिटेटर भी लगाए गए हैं। भीड़ को संभालने के लिए प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडल से अतिरिक्त अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। सभी कर्मचारी अलग–अलग शिफ्ट में चौबीसों घंटे ड्यूटी कर रहे हैं। स्टेशन के सभी प्रवेश द्वारों पर टिकट जांच की व्यवस्था की गई है, ताकि बिना टिकट कोई भी व्यक्ति स्टेशन में प्रवेश न कर सके। प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में यात्रियों की मदद के लिए अतिरिक्त रेलवे कर्मचारी, स्काउट्स और गाइड्स लगाए गए हैं। खानपान स्टॉलों पर खाने–पीने की वस्तुओं की मूल्य सूची लगाई गई है, अधिक पैसे वसूलने वालों पर नजर रखी जा रही है। वहीं, अवैध वेंडरों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल लगातार निगरानी कर रहा है। यात्रियों की सहायता के लिए स्टेशन के तीनों प्रवेश द्वारों पर हेल्प डेस्क और पूछताछ केंद्र बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं के बैठने और आराम करने के लिए प्रथम और तृतीय प्रवेश द्वार पर लगभग 3,500 वर्गफुट के दो वाटरप्रूफ होल्डिंग एरिया तैयार किए गए हैं।

# ब्रज सेवा फाउंडेशन ने प्राचीन केशवदेव मंदिर में लुटाया दुलार

**यूनिक समय, मथुरा।** देवशयनी एकादशी पर ब्रज सेवा फाउंडेशन द्वारा प्राचीन ठाकुर केशवदेव मंदिर में धार्मिक-सेवा कार्यक्रम किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान केशवदेव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर की देहरी पूजन से हुआ। भगवान केशवदेव का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि–विधान से अभिषेक किया गया। भजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। ब्रज सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था का उद्देश्य ब्रज के प्राचीन- उपेक्षित धार्मिक स्थलों का संरक्षण, उनके महत्व का प्रचार–प्रसार और सेवा कार्यों के माध्यम से समाज को अपनी सांस्कृतिक-आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। कार्यक्रम में नीरज तायल, आशीष, अमर, चंद्रशेखर, कमल, कपिल, अमित, रितेश, अपर्णा, राहुल बंसल, रश्मि बंसल, अनूप अग्रवाल, नितिन बगिया, खुशबू, अनिशा, भावना, पलक, नूपुर, बबीता, शोभा, सुहानी और श्वेता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एकादशी पर केशवदेव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में ब्रज सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारी।

# ठा. बांकेबिहारी में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

**यूनिक समय, वृंदावन।** देवशयन एकादशी पर ठाकुर बांकेबिहारी म की झलक पाते ही हर श्रद्धालु को एक अलग प्रकार की अनुभूति होती है। वह इस अनुभूति को बयां नहीं कर पाता, लेकिन मन को तसल्ली मिलती है कि ठाकुरजी अब बिगड़े काम बनाएंगे। वजह उनके उसकी हाजिरी के साथ अर्जी लग गई है। गौरतलब है कि ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में हर रोज श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई देती है। उमस में कपड़े पसीने से भीग जाते हैं, लेकिन धक्का खाते हुए ठाकुर जी की चौखट तक पहुंच जाते हैं। मंदिर के आंगन में पहुंचते ही श्रद्धालु के मुंह से जयकारा ही निकलता है। हालांकि गर्मी से परेशान श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंध कमेटी ने पंखा और कूलरों का इंतजाम कर रखा है। फिर भी गेट नंबर दो, तीन और पांच से पहुंचने पर मंदिर के अंदर उमस का अहसास होता है।

# राजदरबार फूल बंगले में विराजे ठाकुर द्वारकाधीश

**यूनिक समय, मथुरा।** पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में राजदरबार फूल बंगला मनोरथ के दौरान ठाकुर द्वारकाधीश ने भव्य स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन दिए।

माथुर चतुर्वेद परिषद-अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक और प्रमुख समाजसेवी महेश पाठक पिछले वर्षों से अपना जन्मदिन ठाकुर द्वारकाधीश के सानिध्य में ही मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह कहीं भी हो, लेकिन अपना जन्म दिन कान्हा की नगरी में ही मनाते है,उनको बहुत लगाव है। आयोजन की तैयारियां लगभग 10 से 12 दिन पहले ही शुरू कर दी गई थीं। फूल बंगले की आकर्षक सजावट के लिए दिल्ली और कोलकाता से विभिन्न प्रकार के सुगंधित एवं रंग–बिरंगे फूल मंगाए गए। संध्या आरती के बाद ठाकुर द्वारकाधीश को राजदरबार (फूल बंगला) में सोने–चांदी के भव्य सिंहासन पर विराजमान कराया गया। राजदरबार की भव्यता बढ़ाने के लिए गोपियों, हाथियों, घोड़ों तथा विभिन्न प्रकार के आकर्षक खेल–खिलौनों से विशेष सजावट की गई।

ठाकुर जी के अलौकिक-मनमोहक दर्शन श्रद्धालुओं के लिए भक्तों की भीड़ लग गई। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों-गणमान्य नागरिकों ने महेश पाठक को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य-दीर्घायु की कामना की। सेवा समाज, विभिन्न व्यापार मंडल और परिषद के द्वारा उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम में माथुर चतुर्वेद परिषद के अध्यक्ष राजन पाठक, संरक्षक रंजीत पाठक, गिरधारी लाल पाठक, नवीन नागर, दिनेश पाठक, राकेश तिवारी (एडवोकेट),योगेंद्र चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी, संजय एल्पाइन, नीरज चतुर्वेदी, अनिल चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी, आशीष चतुर्वेदी, गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, मलिक अरोड़ा, डॉ.अशोक कुमार, नरेंद्र सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों-सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# 'माई भारत' अभियान के तहत नशा मुक्ति पर हुई जागरूकता

**यूनिक समय, मथुरा।** भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा 'माई भारत' पोर्टल के माध्यम से 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चलाए जा रहा 'नशा मुक्ति युवा–विकसित भारत के लिए, विकसित भारत युवा संपर्क कार्यक्रम' के अंतर्गत शनिवार को किशोरी रमण महिला महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

किशोरी रमण महिला महाविद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में शिक्षक और छात्राएं।

कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने के साथ–साथ 'माई भारत' पोर्टल से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पल्लवी सिंह, अतिथि डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि आगरा की राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक प्रो. पूनम तिवारी, युवा आइकन दुर्गेश त्रिपाठी, नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी अमित कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अशोक कौशिक ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के साथ हुए कार्यक्रम में अतिथियों का पटुका पहनाकर स्वागत किया गया। डॉ. अशोक कौशिक ने 'माई भारत' पोर्टल की जानकारी देते हुए युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराने का आह्वान किया। अमित कुमार ने पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लाभ बताए। प्रो. पूनम तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केंद्र, रोवर्स–रेंजर्स और एनसीसी मिलकर विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दुर्गेश त्रिपाठी ने प्रेरणादायक प्रस्तुति के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। हार्टफुलनेस संस्थान के समन्वयक सुरेंद्र कुमार शर्मा, जितेंद्र पाल सिंह ने ध्यान और चित्रों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया। छात्र–छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से दर्शाया, सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में ज्योतेश चौहान,रितु सुरेश,रागिनी अग्रवाल,कविता कन्नौजिया,रश्मि शर्मा, रेखा रानी, निधि शर्मा, मोनिका दीक्षित, आम्रपाली, डॉ.अनुपम मिश्रा,विनिता सिंह, दीप्तिस्त्रा, शीला, ऋचा सिंह, दिव्याशु, आकांक्षा, नीति, रूमी जायसवाल, ऋचा, प्रियंका पाल, वंदना, प्रतिमा कुमारी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।